RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | मंगलवार , 12 मई 2026 | वर्षः 04, अंकः 55 पृष्ठः 08, मूल्यः 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

'सोना खरीदने की जरूरत नहीं, कम तेल का प्रयोग करें: पीएम

पीएम लगातार दूसरे दिन बोले- पेट्रोल-डीजल कम इस्तेमाल करें: सोने की खरीद टालें, तेल कम खाएं; स्कूल ऑनलाइन हों, कंपनियां वर्क फ्रॉम होम दें

जामनगर/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार दूसरे दिन लोगों से ईंधन और संसाधनों का कम इस्तेमाल करने की अपील की। देश को विदेशी मुद्रा बचाने और संकट से निपटने के लिए जनभागीदारी की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जहां संभव हो पेट्रोल डीजल का उपयोग कम करें और मेट्रो, इलेक्ट्रिक बस और पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग करें। वडोदरा में मोदी ने कहा कि जैसे देश ने मिलकर कोरोना संकट का सामना किया था, वैसे ही मौजूदा संकट से भी देश बाहर निकल जाएगा। उन्होंने कहा- सोने के आयात पर भी देश का बहुत बड़ा पैसा विदेश जाता है। जब तक हालात सामान्य न हों हम सोने की खरीद टालें। गोल्ड की जरूरत नहीं है। मोदी ने खाने के तेल की खपत कम करने की भी अपील की। उन्होंने कहा कि खाद्य तेल के आयात पर भी देश की बड़ी विदेशी मुद्रा खर्च होती है। अगर लोग खाने के तेल का कम उपयोग करें तो इससे देश और शहर दोनों को फायदा होगा। उन्होंने सरकारी और निजी दफ्तरों में वर्क फ्रॉम होम शुरू करने और स्कूलों में ऑनलाइन क्लास चलाने की सलाह भी दी। मोदी ने कहा कि देश को इस समय विदेशी मुद्रा बचाने की जरूरत है और हर नागरिक को अपने कर्तव्य को प्राथमिकता देनी होगी।

पोकरण परमाणु परीक्षण पर मोदी बोले- दुनिया हिल गई थी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को गुजरात के सोमनाथ मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के 75 साल पूरे होने के मौके पर कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा- आज का दिन एक और वजह से भी खास है। आज के ही दिन 11 मई 1998 को देश ने पोकरण में परमाणु परीक्षण किया था। तब दुनिया भर की शक्तियां भारत को दबोचने मैदान में उतर गई थीं।

सोमनाथ अमृतपर्व-2026 में प्रधानमंत्री ने किया प्रथम ज्योतिर्लिंग का पूजन

गिर सोमनाथ

गुजरात के सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सोमनाथ अमृतपर्व-2026 के ऐतिहासिक समारोह में प्रधानमंत्री एवं सोमनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्र मोदी प्रभास पाटन पहुंचे और प्रथम ज्योतिर्लिंग भगवान सोमनाथ का दर्शन-पूजन किया। इस दौरान भारतीय संस्कृति, आस्था और गौरव के प्रतीक भगवान सोमनाथ महादेव मंदिर में सोमवार को सोमनाथ अमृतपर्व-2026 पूरे मंदिर परिसर में शंख, डमरू और हर-हर महादेव के जयघोष से भक्तिमय वातावरण बन गया। प्रधानमंत्री मोदी के आगमन पर मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार से लेकर परिसर तक जोरदार स्वागत की व्यवस्था की गई थी। भारत की विविध सांस्कृतिक परंपराओं को दशार्ती प्रस्तुतियों के माध्यम से उनका अभिनंदन किया गया। मार्ग में प्रधानमंत्री ने सोमनाथ विषय पर निर्मित आकर्षक रेत शिल्प का अवलोकन भी किया।

100 कन्याओं ने सिर पर अमृत कलश धारण कर प्रधानमंत्री का स्वागत किया

75 ढोलवादकों के नाद तथा तूतारी की गूंज के बीच पारंपरिक वेशभूषा में सजी लगभग 100 बालिकाओं और कन्याओं ने सिर पर अमृत कलश धारण कर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। मंदिर परिसर में प्रवेश से पूर्व प्रधानमंत्री ने अखंड भारत के शिल्पी एवं सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के स्वप्नद्दष्टा लौहपुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद ऋषिकुमारों द्वारा शंख और डमरू के मंगलनाद के बीच प्रधानमंत्री विशेष मार्ग से होकर गर्भगृह पहुंचे, जहां उन्होंने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान सोमनाथ की महापूजा की।

दुनिया की कोई ताकत भारत को झुका नहीं सकती : मोदी

गिर सोमनाथ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत भारत को झुका नहीं सकती और न ही उसे दबाव में ला सकती है। उन्होंने कहा कि 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षणों ने दुनिया को भारत की अटल राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय कराया था। गुजरात के सोमनाथ मंदिर में आयोजित सोमनाथ अमृत महोत्सव को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 11 मई 1998 को भारत ने पोखरण में पहले तीन परमाणु परीक्षण किए थे और उसके बाद दुनिया भर की शक्तियों ने भारत पर विभिन्न प्रकार के प्रतिबंध लगाए थे। उन्होंने कहा, 11 मई के बाद दुनिया हम पर टूट पड़ी थी, लेकिन 13 मई को भारत ने दो और परमाणु परीक्षण किए। इससे दुनिया को पता चला कि भारत की राजनीतिक इच्छाशक्ति कितनी अटल है। उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार ने यह दिखाया था कि भारत के लिए राष्ट्र सर्वोपरि है। मोदी ने कहा, दुनिया की कोई ताकत भारत को झुका नहीं सकती, दबाव में नहीं ला सकती। प्रधानमंत्री

ईंधन बचत पर पीएम की अपील- सार्वजनिक परिवहन अपनाएं, सोना खरीद टालें

पीएम मोदी ने यह भी कहा कि जब भी देश पर युद्ध या कोई बड़ी आपदा आई है, तब नागरिकों ने सरकार के आह्वान पर अपनी जिम्मेदारी निभाई है और अब भी इसी एकजुटता की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने लोगों से अपील की कि आयात पर निर्भरता कम करने के प्रयास किए जाएं और ऐसे व्यक्तिगत खर्चों से बचा जाए जिनमें विदेशी मुद्रा का उपयोग होता है। पीएम ने एक बार फिर से लोगों से अपील की कि ईंधन की खपत कम करें और निजी वाहनों की बजाय सार्वजनिक परिवहन का उपयोग बढ़ाएं या इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाएं। उन्होंने यह भी कहा कि लोग फिलहाल सोना खरीदने जैसी गैर-जरूरी खर्च वाली चीजों को टालें, ताकि देश की आर्थिक स्थिरता को मजबूती मिल सके।

उन्होंने स्कूलों में अस्थायी रूप से ऑनलाइन कक्षाएं चलाने की सलाह भी दी, ताकि मौजूदा परिस्थितियों में शिक्षा व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

गडकरी ने दिल्ली के मुंडका-बक्करवाला टोल प्लाजा पर बैरियर लेस प्रणाली का उद्घाटन किया

नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्गमंत्री नितिन गडकरी ने आज दिल्ली के यूईआर-क्क पर स्थित मुंडका-बक्करवाला टोल प्लाजा पर मल्टी-लेन फ्री फ्लो (एमएलएफएफ) बैरियर-लेस टोलिंग प्रणाली का उद्घाटन किया। यह देश में इस प्रकार की दूसरी टोलिंग प्रणाली है। इससे पहले 2 मई को गुजरात के एनएच-48 के सूरत-भरूच खंड पर स्थित चोरायासी टोल प्लाजा पर यह प्रणाली शुरू हो चुकी है।

इस अवसर पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री अजय टम्टा, पश्चिमी दिल्ली से सांसद कमलजीत सहरावत, उत्तर पश्चिम दिल्ली से सांसद योगेंद्र चंदौलिया तथा भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अध्यक्ष संतोष कुमार यादव मौजूद रहे।

एनएचएआई अधिकारियों ने केंद्रीयमंत्री को नई टोलिंग प्रणाली की कार्यप्रणाली की जानकारी भी दी। अब वाहनों को इस टोल प्लाजा पर रुकने या गति धीमी करने की आवश्यकता नहीं होगी।

चोरी के मोबाइल के साथ जीआरपी ने चोर को पकड़ा

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज । पुलिस महानिदेशक रेलवे, पुलिस महानिरीक्षक रेलवे, पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज द्वारा रेलवे स्टेशन, सकुर्लेटिंग एरिया एवं ट्रेनो में बढ़ती चोरी/छिनैती की घटनाओं की रोकथाम, अवैध तस्करी एवं अपराधियों की गिरफ्तारी व बरामदगी के मद्देनजर चलायें जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारीं।

निरीक्षक अकलेश कुमार सिंह थाना जीआरपी प्रयागराज के कुशल नेतृत्व में उ0नि0 भूपेन्द्र कुमार थाना जीआरपी प्रयागराज व आरपीएफ की संयुक्त ुलिस टीम द्वारा रेलवे स्टेशन प्रयागराज जं० प्लेटफार्म नं0 01 दिल्ली इण्ड के आगे डी०एस०ए० रेलवे कालोनी के अन्दर से समय करीब 12.30 बजे शातिर अभ्यस्त अभियुक्त मोहम्मद अलतमस पुत्र मोहम्मद इस्माइल उपरोक्त के कब्जे से चोरी की 01 अदद मोबाइल बरामद करते हुए गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पर निजी हमला सपा की घटिया मानसिकता - संजय गुप्ता

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी द्वारा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी पर किए गए निजी हमले को लेकर भाजपा प्रयागराज महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता ने समाजवादी पार्टी को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने इसे सपा की घटिया मानसिकता बताया है। महानगर अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी पर किया गया निजी हमला समाजवादी पार्टी की घटिया सोच, हताशा और राजनीतिक दिवालियापन को उजागर करता है। लोकतंत्र में वैचारिक विरोध का सम्मान किया जाता है, लेकिन इस प्रकार के निजी हमले किसी भी सभ्य राजनीतिक परंपरा में स्वीकार्य नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार समाजवादी पार्टी का राजनीतिक स्तर लगातार गिरता जा रहा है, उसी प्रकार सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने विरोध की मयार्दा और भाषा का स्तर भी बेहद नीचे कर दिया है। राजनीतिक रूप से बैकफुट पर पहुंच चुकी सपा संवाद, संयम और विचारों की शक्ति पर विश्वास करने के बजाय हिंसा, अराजकता और व्यक्तिगत हमलों की राजनीति पर उतर आई है। जनता भी इस तरह के व्यक्तिगत हमलों और नकारात्मक राजनीति को कभी स्वीकार नहीं करती।

डीएम ने ग्राम पाता में भूमि विवाद की शिकायतों का मौके पर ही कराया निस्तारण

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल नेह्लटॉप 10 भूमि विवादों का मौके पर समाधानह्ल अभियान के अंतर्गत आज तहसील मंझनपुर की ग्राम पाता में आयोजित कैम्प में राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा भूमि विवाद से संबंधित शिकायतों के निस्तारण की स्थिति का स्थलीय सत्यापन किया एवं ग्राम स्तर पर ही त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया।

जिलाधिकारी ने भूमि से संबंधित मामलों में दोनों पक्षों को सुना तथा उप जिलाधिकारी आकाश सिंह को मौके पर जाकर समस्या को निस्तारित करने के निर्देश दिए।

कैम्प में राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने शिकायतकर्ता अली रजा की शिकायत पर आराजी संख्या 1430 मि0 की मौके पर पैमाइस कर भूमि चिन्हित किया तथा विपक्षी को अवैध हस्तक्षेप करने से मना कर दिया।

शिकायतकर्ता बिटोला देवी ने आराजी संख्या 1430 मि0 में भूमि बैनामा से क्रय की थी, किंतु इसी आराजी संख्या में शत्रु संपत्ति के लिए रिक्त भूमि पर शिकायतकर्ता द्वारा निर्माण करने का प्रयास किया जा रहा था। राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने शिकायतकर्ता को अवगत कराया कि धारा 116 का वाद योजित करके अनुतोष प्राप्त करें।

चोरी की तीन घटनाओं का खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार,सोने चांदी के जेवर बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। कप्तान के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी नगर के कुशल नेतृत्व में थाना कोतवाली पुलिस व इन्टेलिजेन्स विंग की संयुक्त टीम द्वारा थाना कोतवाली व थाना राधानगर क्षेत्रातर्गत हुई चोरी की तीन घटनाओं का सफल अनावरण करते हुये घटना में संलिप्त 4 अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार।

प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर हेमंत कुमार मिश्र ने बताया कि मुखबिर खास की सूचना पर चोरी के चार आरोपी रीशू पासवान पुत्र श्रीराम पासवान निवासी झाऊपुर पुलिया, थाना राधानगर, दीपक कुमार उर्फ कमल पुत्र रामकुमार निवासी नई बस्ती राधानगर. जगदीश सोनी उर्फ आजाद पुत्र राधेकृष्ण सोनी निवासी खुशवंत राय नगर, भास्कर सोनी उर्फ गोलू पुत्र जयनारायण सोनी निवासी राधानगर गाजीपुर रोड, थाना राधानगर, जनपद फतेहपुर, उम्र करीब 32 वर्ष को गिरफ्तार कर कब्जे से 22 नग बिछिया सफेद धातु, 03 जोड़ी पायल सफेद धातु, 03 अदद सिक्के सफेद धातु, 03 अदद एण्ड्रायड मोबाइल फोन, 02 नग अंगूठी सफेद धातु, 01 नग कमरबन्द पेटी सफेद धातु, 01 नग अंगूठी पीली धातु, 01 जोड़ी कान की बाली पीली धातु, 01 नग गले की चैन सफेद धातु, 01 नग लाकेट (ऊं) पीली धातु, 01 अदद सव्वल, 6000 रुपये एवं घटना में प्रयुक्त सब्बल बरामद किया।

कप्तान ने कार्यालय में सुनी फरियाद, थाना प्रभारियों को निस्तारण का दिए निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । पुलिस कार्यालय कौशाम्बी में पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा आमजनमानस की समस्याओं के प्रभावी निस्तारण हेतु जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों ने अपनी समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए, जिन्हें पुलिस अधीक्षक द्वारा अत्यंत ध्यानपूर्वक सुना गया।

मामलों की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने संबंधित थाना प्रभारियों एवं शाखा प्रभारियों को मौके पर जाकर त्वरित और निष्पक्ष जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों का निस्तारण केवल कागजी न होकर गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए, जिससे पीड़ित व्यक्ति को वास्तविक न्याय और राहत मिल सके। सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत को समयबद्ध तरीके से निस्तारण किया जाए।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में सोमवार को थाना हथगांव पुलिस द्वारा एससी एसटी एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त शालू उर्फ विनय यादव पुत्र राजबहादुर यादव निवासी मोहल्ला तेहीपारा थाना हथगांव जनपद फतेहपुर उम्र करीब 31 वर्ष को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया ।

ऑपरेशन कन्विक्शन के अभियुक्तों के विरुद्ध दण्डात्मक कार्यवाही का अभियान चलाया जा रहा

हत्या के प्रयास का दोषी अभियुक्त को 3 वर्ष की जेल तथा दस हजार रुपए की सजा

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। थरियांव थाने पर वादी उमेश कुमार द्वारा तहरीर दी गई कि अपने चाचा वीरेंद्रनाथ द्विवेदी के साथ सदर अस्पताल जा रहे थे तो हजारी सिंह व पिंटू सिंह निवासीगण ग्राम रमवा थाना थरियांव जनपद फतेहपुर ने गोली मार दी जिससे उनको गंभीर चोटें आई। तहरीर के आधार पर थाना थरियांव में धारा- 307/34 भादवि0 अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर न्यायालय में विचारण हेतु प्रेषित किया गया। ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत चिन्हित अपराधों में दोषी अभियुक्तों के विरुद्ध अधिकतम एवं त्वरित दण्डात्मक कार्यवाही हेतु जनपदीय पुलिस द्वारा विशेष अभियान के तहत अभियोग में स्थानीय पुलिस, मॉनिटरिंग सेल एवं एडीजीसी कल्पना देवी की प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप न्यायालय एडीजे कोर्ट संख्या- एक द्वारा अभियुक्त हजारी सिंह निवासी रमवा थाना थरियांव जनपद फतेहपुर को दोषसिद्ध ठहराते हुए धारा 307/34 भादवि के अंतर्गत तीन वर्ष के साधारण कारावास की सजा एवं दस हजार रुपए अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। अर्थदण्ड अदा न करने पर एक माह का अतिरिक्त साधारण कारावास भुगतना होगा।

सपा ने प्रदेश अध्यक्ष भाजपा का नहीं बल्कि पूरे ओबीसी समाज का अपमान किया है-धर्मराज मौर्य

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। उत्तर प्रदेश भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी पर समाजवादी पार्टी के मीडिया हैंडल से अभद्र भाषा का प्रयोग किए जाने पर जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने दी अपनी प्रतिक्रिया।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में बयानबाजी अब व्यक्तिगत हमलों तक पहुंचती दिखाई दे रही है जो राजनीति के गिरते स्तर को दर्शाती है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी पर निजी हमला समाजवादी पार्टी की घटिया सोंच हताशा और राजनीतिक दिवालियापन को उजागर करता है।समाजवादी पार्टी और उसके मीडिया हैंडल द्वारा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रिय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी जैसे वरिष्ठ एवं सम्मानित जनप्रतिनिधि के लिए जिस प्रकार की अभद्र,अशोभनीय और घटिया भाषा का प्रयोग किया गया है,वह केवल एक नेता का नहीं बल्कि पूरे लोकतांत्रिक मयार्दा और राजनीतिक संस्कारों का अपमान है।पंकज चौधरी वर्षों से जनता की सेवा,संगठन और विकास की राजनीति करते आए हैं। उनके खिलाफ इस प्रकार की टिप्पणी करना समाजवादी पार्टी की मानसिकता को उजागर करता है,जहां विरोध का जवाब तर्क और विचार से नहीं बल्कि गाली और अपमान से दिया जाता है।सपा को यह नहीं भूलना चाहिए कि उत्तर प्रदेश की जनता अब जातिवाद,परिवारवाद और अपमानजनक राजनीति से ऊपर उठ चुकी है। जनता उन लोगों को पसंद करती है जो विकास,राष्ट्रहित और सम्मान की राजनीति करते हैं,न कि वे लोग जो सोशल मीडिया पर विष फैलाकर अपनी कुंठा निकालते हैं।

अखिलेश यादव को अपने कार्यकताओं और आधिकारिक मीडिया सेल को यह सिखाना चाहिए कि राजनीति में मतभेद हो सकते हैं,लेकिन भाषा और मयार्दा कभी नहीं गिरनी चाहिए।वरिष्ठ नेताओं का सम्मान भारतीय संस्कृति का हिस्सा है,और जो दल इस मयार्दा को भूल जाता है,जनता उसे समय आने पर जवाब भी देती है।अखिलेश यादव याद रखिए पंकज चौधरी लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के वंशज हैं,आगामी 2027 की विधानसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की जनता आपको अवश्य ही सबक सिखाएगी।

भाजपा की उन्नाव जिला कार्य समिति की बैठक में हुए महत्त्वपूर्ण निर्णय

उन्नाव। भारतीय जनता पार्टी उन्नाव के कार्यालय में सोमवार को आयोजित जिला कार्यसमिति बैठक में संगठनात्मक मजबूती, आगामी चुनावों की रणनीति और सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुँचाने पर जोर दिया गया। बैठकों में बूथ स्तर तक संवाद और सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में 23 और 24 मई को परिमल वाटिका सिकंदरपुर कर्ण में जिला प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। इस शिविर में 250 से अधिक पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

बैठक का शुभारंभ पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं वंदे मातरम् गीत के साथ हुआ। बैठक में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय महामंत्री विजय प्रताप सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विचार आधारित पार्टी है । हम सभी कार्यकर्ता इस देश की एकता अखंडता को अक्षुण्य रखने का कार्य करते हैं । हम लोकतंत्र से चलने वाले दल के सदस्य हैं, जब इस दल का कार्यकर्ता कार्य करने के लिए निकलता है तो लोक कल्याण का चिंतन उसके मन में पहले होता है। हमारे आचार विचार और व्यवहार से यह प्रतीत होना चाहिए । हम एक अनुशासित दल के कार्यकर्ता हैं।

उन्होंने प्रत्येक माह नियमित रूप से जिले से लेकर बूथ तक होने वाली बैठकों की चर्चा करते हुए कहा हम जिस जिम्मेदारी में है उसके साथ ही उस बूथ की बैठक में भी हम उपस्थित रहें। उस पर संगठनात्मक ढांचा और संगठन को मजबूती प्रदान करें। आगामी प्रशिक्षण के विषय में बोलते हुए कह हमें प्रशिक्षण में दृढ़ संकल्पित होकर जाना है। पूरे प्रदेश के लिए उन्नाव जिले का प्रशिक्षण आदर्श हो। यह प्रशिक्षण हमारे आचरण और व्यवहार में परिवर्तन लाने का कार्य करेगा। क्षेत्रीय महामंत्री ने नवीन कार्यसमिति को भाजपा अवध क्षेत्र की तरफ से बधाई भी दी।

बैठक में विशिष्ट अतिथि श्री कृष्ण शास्त्री ने कहा कार्यकताओं की लगन और मेहनत से आज भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। हम सबको पूरी लगन और निष्ठा प्रशिक्षण लेना है। उन्नाव जिला प्रशिक्षण में भी प्रथम स्थान पर रहे। जिला कार्यसमिति बैठक में जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी ने 23 और 24 मई को आयोजित होने वाले प्रशिक्षण शिविर की जानकारी भी देते हुए कहा कि अब संगठन में नियमित चार बैठकें हो गई हैं । प्रत्येक माह जिला, मंडल, शक्ति केंद्र और बूथ की बैठक करना आवश्यक है।

जिला पंचायत अध्यक्ष शकुन सिंह ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस बैठक में क्षेत्रीय संयोजक नमामि गंगे सरोज सिंह चौहान ने राजनीतिक प्रस्ताव प्रस्तुत किया। पांच राज्यों में हुए चुनावों में पश्चिम बंगाल असम और पुडुचेरी में मिली प्रचंड जीत पर धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया और कहा कि यह कार्यसमिति ऐसे समय में हो रही है जब इस जीत से पूरे देश में खुशी का माहौल है। पश्चिम बंगाल सहित सभी जगह हमें भारी बहुमत मिला है। उन्नाव से निकलने वाले तीन एक्सप्रेसवे तथा केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए जिला कार्यसमिति की तरफ से प्रस्ताव किया। समर्थन जिला उपाध्यक्ष मनोज सिंह सहित पूरी कार्यसमिति की ओर से प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुआ।

इस अवसर पर जिला महामंत्री रजनीश वर्मा ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए जरूरी विधेयक न पास करवाने के लिए सम्पूर्ण विपक्ष पर निन्दा प्रस्ताव प्रस्तुत

ई-रिक्शा चार्ज करते समय करंट लगने से चालक की मौत

पतीशा चौराहे के पास हादसा, शराब की दुकान के बाहर चार्जिंग के दौरान गई जान

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। कीडगंज थाना क्षेत्र में पतीशा चौराहे के पास करंट की चपेट में आने से ई-रिक्शा चालक की मौत हो गई।

हादसा उस समय हुआ जब चालक ई-रिक्शा को चार्ज कर रहा था। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

मूल रूप से कौशांबी के सैनी थाना क्षेत्र स्थित सिराथू मानिकपुर गांव निवासी शानू (56) कीडगंज इलाके में रहकर ई-रिक्शा चलाता था। बताया जा रहा है कि सोमवार सुबह वह एक शराब की दुकान के पास अपना ई-रिक्शा चार्ज कर रहा था। इसी दौरान वह करंट की चपेट में आ गया।

सूचना पर पहुंची कीडगंज पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

थाना प्रभारी प्रीतम तिवारी ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है।

पुलिस के मुताबिक प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक नशे का आदी था। वहीं हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

कप्तान ने मलवां थाने का किया निरीक्षण, दिए निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक द्वारा थाना मलवां का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर की साफ-सफाई, अभिलेखों का रख-रखाव, बैरक, पुलिस आवास, विवेचना कक्ष, CCTNS कार्यालय, शस्त्रागार, भोजनालय, मिशन शक्ति केंद्र, मालखाना, हवालात एवं अन्य व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

निरीक्षण उपरांत पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना प्रभारी, समस्त उप निरीक्षकों तथा कार्यालय के अधिकारी/कर्मचारियों के साथ बैठक आयोजित कर कानून-व्यवस्था, लंबित प्रकरणों के निस्तारण, विवेचनाओं की गुणवत्ता एवं उउळठर प्रणाली की समीक्षा की गई। एसपी द्वारा निर्देशित किया गया कि उउळठर प्रणाली को नियमित रूप से अद्यतन रखा जाए तथा लंबित विवेचनाओं का शीघ्र, गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही विवेचनाओं में समयबद्ध कार्यवाही, अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव एवं थाना परिसर में अनुशासन एवं स्वच्छता बनाए रखने हेतु संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी नगर भी मौजूद रहे।

दो परिवारों को पुलिस ने समझौता करा कर कराई विदाई

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में परिवार परामर्श केंद्र टीम द्वारा 13 फाइलों की काउंसलिंग की गई, जिसमें काउंसलिंग के दौरान 02 प्रकरण में पति-पत्नी व उनके परिजनों की सहमति दोनों पक्षों का समझौता कराया गया तथा दोनों पक्ष (पति-पत्नी) को उनके जीवन के पारिवारिक कर्तव्यों को बताते हुए समझाया गया। दोनों पक्षों (पति-पत्नी) द्वारा बताया गया कि अब हम दोनों के बीच किसी प्रकार का कोई मनमुटाव नहीं रह गया है। अब हम आपसी सहमति से सुलह समझौता करना चाहते हैं । परिवार परामर्श केंद्र द्वारा दोनों पक्षो (पति-पत्नी) का सुलह समझौता कराया गया । दोनों पक्षों द्वारा बताया गया कि अब हम दोनो पक्ष एक दूसरे के साथ प्रेम पूर्वक अपना जीवन यापन करेंगे । परिवार परामर्श केंद्र द्वारा दोनों पक्षो को सलाह दिया गया कि अपने से बड़ों का सम्मान करते हुए अपने जीवन की नई शुरूआत करेंगे।

पुलिस अधीक्षक ने मलवां थाने में सुनी फरियादियों की समस्याएं, थाना प्रभारी को दिया निस्तारण का निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक द्वारा थाना मलवां में जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई के दौरान आमजन की विभिन्न समस्याओं/शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा उपस्थित संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही सभी को निर्देशित किया गया कि जनसमस्याओं के समाधान में संवेदनशीलता एवं पारदर्शिता बनाए रखें।

आलमचंद गांव आने से पूर्व सांसद तनुज पुनिया को पुलिस द्वारा उनके आवास पर किया गया हाउस अरेस्ट

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। चायल विधानसभा अन्तर्गत ग्राम आलमचंद निवासी पूर्व प्रधान स्व० मनोज हेला की कुछ दिन पूर्व गोली मारकर की गई निर्मम हत्या कर दी गई थी इसी क्रम में सोमवार उनके शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त करने हेतु सांसद बाराबंकी एवं प्रदेश अध्यक्ष अनुसूचित जाति विभाग कांग्रेस तनुज पुनिया का आगमन कौशाम्बी के ग्राम आलमचंद में हो रहा था जहां वो पीड़ित परिजनों से मुलाकात करने व संवेदना व्यक्त करने आ रहे थे। लेकिन इसके पूर्व उन्हें लखनऊ आवास से ही पुलिस द्वारा हाउस अरेस्ट कर लिया गया।

इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष कौशाम्बी गौरव पाण्डेय ने कहा कि सरकार के इशारे पर हमारे नेताओं को इस प्रकार अरेस्ट करना बेहद निंदनीय है क्या

लोकतंत्र में पीड़ित परिवार से मिलना, उनका दुःख साझा करना एवं न्याय की मांग करना गलत है, यह प्रदेश सरकार की संवेदनहीनता को दशार्ता है। प्रदेश में लगातार अत्याचार, उत्पीड़न एवं हत्या की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। एनसीआरबी रिपोर्ट के अनुसार भी उत्तर प्रदेश दलित अत्याचार के मामलों में शीर्ष पर है, इसके बावजूद सरकार अपराध रोकने में विफल साबित हो रही है।सांसद तनुज पुनिया के साथ जिला अध्यक्ष गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में आलमचंद गांव घटना स्थल पर पहुंचने वालों में प्रतिनिधि मण्डल जिसमें पूर्व विधायक चायल विजय प्रकाश,पूर्व प्रदेश सचिव रामबहादुर त्रिपाठी,पूर्व अध्यक्ष तलत अजीम,जिला उपाध्यक्ष दीपक पाण्डेय,मोहम्मद अकरम,अलकमा उस्मानी,जिला महासचिव सुरेन्द्र शुक्ला,सोसल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय, नगर अध्यक्ष चरवा निक्की पाण्डेय, RTI विभाग जिलाध्यक्ष आयूष यादव,नगर अध्यक्ष मंझनपुर संगीता कोरी,ब्लाक अध्यक्ष नेवादा रावेंद्र यादव,जयप्रकाश जायसवाल,हेमन्त रावत,रमेश यादव,रफीक अहमद,रोहित सिंह ,हेमंत रावत, संगीता कोरी सहित तमाम कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

ट्रेडसमैन परीक्षा में नकल के मामले में 13 गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। नैनी थाने की पुलिस ने कौशिक पोद्दार ग्रुप कैप्टन महाप्रबन्धक कार्मिक एवं प्रशासन 508 आर्मी बेस वर्कशाप नैनी जनपद प्रयागराज की तहरीर पर 508 आर्मी बेस वर्कशाप छिवकी प्रयागराज (उ0प्र0) में आयोजित ट्रेड्समैन मेट परीक्षा के निरीक्षण के दौरान पर्यवेक्षण इनविजिलेशन स्टाफ द्वारा दीपक निवासी ग्राम सुरबरा जिंद हरियाणा को दूसरे अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा देते गिरफ्तार किया।

इसके कब्जे से एक आधार कार्ड, एक फोटोग्राफ, चार शैक्षिक प्रमाण पत्र, एक निवास प्रमाण पत्र बरामद किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के संबंध में थाना नैनी में धारा 318(4) बीएनएस का मुकदमा दर्ज किया गया।विवेचना में साक्ष्य संकलन के आधार पर धारा 2/8/10/13(5) सार्वजनिक परीक्षा अनुचित संसाधन निवारण अधि0 2024 की बढ़ोत्तरी की गई है। परीक्षा हाल में ब्लूटूथ उपकरणों का उपयोग कर नकल करने तथा अनुचित साधनों का प्रयोग कर रहे थे। नौ ब्लूटूथ डिवाईसेस ट्रांसमिटर, 10 इयर बड, 7 सिम कार्ड, एक पावर बैंक, 5 मूल आधार कार्ड, एक ड्राईविंग लाइसेन्स, एक पैन कार्ड, 3 राईटिंग पैड, एक मारूति कार अर्टिगा एचआर 55 एएच 3003 व कार भी पकड़ा।

कार में कुल 7 बैग, 4 मोबाईल फोन तथा 4 फोटोग्राफ बरामद किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के संबंध में थाना नैनी में धारा 318(4)/112 बीएनएस बनाम हरदीप सिंह निवासी कुतराना जनपद जिन्द हरियाणा, संदीप निवासी वरोदा जनपद- जिन्द हरियाणा, लोकेश निवासी निदाना जनपद जिन्द हरियाणा, जयदीप निवासी सुन्धाना जनपद रोहतक हरियाणा, तेजनारायण निवासी उर्जानगर दानापुर जनपद पटना बिहार, तुषार भरन जनपद रोहतक हरियाणा, दीपक कुमार निवासी दनाना जनपद भिवाणी हरियाणा, राहुल कुमार निवासी कनवास जनपद दौसा राजस्थान, संजीव निवासी नरवाना जनपद जिन्द हरियाणा, अखिल निवासी कसन जनपद कैथल हरियाणा, नरेश सिंह निवासी जारूआ कटरा थाना मलपुरा जनपद आगरा और गुरसब निवासी बानपुर पोस्ट देवाल जनपद कैथल हरियाणा के विरूद्ध मुकदमा लिखा गया। विवेचना के क्रम में घटनास्थल निरीक्षण तथा अन्य संकलित साक्ष्यों के आधार पर अग्रिम विवेचना अंतर्गत धारा- 112(2)/318(2)/318(4) बीएनएस व 2क/4/8/9/11/13(5) सार्वजनिक परीक्षा अनुचित संसाधनों का निवारण अधिनियम 2024 में प्रचलित है।

प्रयागराज व्यापार मंडल ने लूट की घटना में दर्ज धाराओं पर जताया विरोध

सबसे तेज प्रयागराज
होलागढ़,प्रयागराज। तीन दिन पूर्व हुई लूट की घटना के बाद पुलिस द्वारा काफी विलंब से एफआईआर दर्ज किए जाने तथा मुकदमे में उचित धाराएं न लगाए जाने को लेकर व्यापारियों में भारी असंतोष व्याप्त है। व्यापार मंडल पदाधिकारियों का कहना है कि पुलिस ने मामले में केवल धारा 304 बीएनएस लगाई है, जबकि घटना में पीड़ित पर धारदार हथियार से हमला किए जाने की पुष्टि मेडिकल रिपोर्ट में हुई है। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि घटना में शामिल अपराधियों की फोटो भी पुलिस द्वारा जारी की जा चुकी है, इसके बावजूद मुकदमे में केवल एक अज्ञात आरोपी का उल्लेख किया गया है, जो गंभीर प्रश्न खड़े करता है।
प्रयागराज व्यापार मंडल गंगापार के जिला अध्यक्ष सुरेश चौरसिया एवं जिला उपाध्यक्ष पवन जायसवाल ने कहा कि घटना की गंभीरता को देखते हुए जिन धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है, वे पर्याप्त और उचित नहीं हैं। इससे व्यापारियों में भय और असंतोष का माहौल है। जिला अध्यक्ष सुशांत केसरवानी ने आज एसीपी गंगा पार से वार्ता कर मांग की कि अपराधियों के खिलाफ हत्या के प्रयास, लूट एवं धारदार हथियार से हमला जैसी सख्त धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाए तथा जल्द से जल्द सभी आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि पुलिस प्रशासन द्वारा उचित कार्रवाई नहीं की गई तो व्यापारी वर्ग आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

दहेज हत्या का आरोपी पकड़ा गया

राम सिंह यादव
सबसे तेज प्रयागराज
झूंसी प्रयागराज। डीसीपी गंगानगर के निर्देश पर सराय इनायत पुलिस दहेज हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपी की तलाश में मुखबिर की सूचना पर एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

थानाध्यक्ष सराय इनायत संजय गुप्ता ने बताया कि दहेज हत्या के मामले में वांछित चल रहे आरोपी की तलाश में मुखबिर की सूचना पर वांछित अभियुक्त सद्दाम हुसैन पुत्र हयात अली निवासी ग्राम सुदनीपुर खुर्द थाना सरायइनायत कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना सरायइनायत क्षेत्रान्तर्गत हबुसा मोड़ के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

एससी एसटी एक्ट में वांछित आरोपी गिरफ्तार

झूंसी प्रयागराज। 4 माह पहले शराब पीकर मारपीट करने वाले आरोपी को सोमवार गिरफ्तार कर लिखा पड़ी किया। थानाध्यक्ष संजय गुप्ता ने बताया कि 21 जनवरी को शराब पीकर गाली गलौज और मारपीट करने के मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त रोहित सिंह पुत्र टन्टू उर्फ शिवशंकर सिंह निवासी ग्राम यरना करौंदा थाना सरायइनायत कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना सरायइनायत क्षेत्रान्तर्गत लोढ़वा चौराहे के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

मृतक हिमांशु के घर पहुंचे भाजपा जिलाध्यक्ष व विधायक बंधाया ढांढस

अजय कुमार
सबसे तेज प्रयागराज
होलागढ़,प्रयागराज। रविवार को झवनी का पूरा राजापुर चौबारा होलागढ़ निवासी हिमांशू सरोज उम्र लगभग 18 वर्ष जो अपने मामा के यहां ग्राम मलाकनारा मजरे नेवडिया में रह कर पढ़ाई करता था। दो दिन पूर्व गोली मारकर हत्या कर दी है, जिसकी जानकारी मिलने पर हड़कंप मच गया घरवालों का रो रो कर बुरा हाल हो गया।

होलागढ़ पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेजवाया जानकारी होने पर भाजपा जिलाध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान व विधायक फाफामऊ गुरु प्रसाद मौर्या अपने कार्यकताओं के साथ मलाकनारा मजरे नेवडिया पहुंचकर मृतक की मां व अन्य परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया और हर संभव मदद का भरोसा दिया। भाजपा जिलाध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान ने पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत और सहायक पुलिस आयुक्त सोरांव श्यामजीत प्रमिला सिंह तथा प्रभारी निरीक्षक थाना होलागढ़ को फोन के माध्यम से जल्द से जल्द हत्या करने वाले को गिरफ्तार करने की बात कही। उन्होंने कहा कि अपराधी किसी हालत में बचना नहीं चाहिए तथा सख्त से सख्त सजा दी जाय जरूरत पड़ने पर बुलडोजर भी चलाया जाय, विधायक फाफामऊ गुरु प्रसाद मौर्य ने कहा कि एसडीएम सोरांव से बात कर आर्थिक सहायता भी दिलाई जाएगी जो भी संभव होगा मदद की जाएगी। इसी प्रकार अगुरिहन में भी दुष्कर्म पीड़िता के घर पहुंचकर उसके परिजनों से मिलकर जिलाध्यक्ष और विधायक ने सख्त कार्यवाही का भरोसा दिया। इस मौके पर मुख्य रूप से जिला मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी, मंडल अध्यक्ष होलागढ़ राधा कांत शुक्ला, प्रमुख प्रतिनिधि विनोद तिवारी, अनिल मिश्रा, भीष्म नारायण तिवारी, धीरज तिवारी, हरिश्चंद्र सरोज, ज्वाला सिंह, शिवशंकर मिश्रा, श्याम सुंदर दुबे, शिवबाबू मोदनवाल, गुड्डू राजा, जंगी लाल मौर्य आदि मौजूद रहे।

शंकरगढ़ पुलिस ने दहेज हत्या में दो लोगों को किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। तीन दिन पहले वादी मंगलेश्वर प्रसाद पाठक पुत्र स्वर्गीय रामकिशोर पाठक ग्राम पो0 लुक थाना अतरैला जनपद रींवा (म0प्र0) द्वारा थाना स्थानीय पर दी गई तहरीर बावत ससुरालीजन द्वारा दहेज की मांग करते हुए प्रताडित करते हुए वादी की पुत्री रीना द्विवेदी की हत्या कर देने के सम्बन्ध में डी0पी0 एक्ट पंजीकृत किया गया था । थानाध्यक्ष शंकरगढ़ सुशील दुबे ने बताया कि डी0पी0 एक्ट से सम्बन्धित 2 वांछित अभियुक्तगण राजेन्द्र प्रसाद द्विवेदी उर्फ राजा पुत्र रामआधर द्विवेदी .रविशंकर द्विवेदी पुत्र राजेन्द्र प्रसाद द्विवेदी निवासीगण भगदेवा थाना शंकरगढ़ जनपद प्रयागराज को थाना क्षेत्र शंकरगढ़ अंतर्गत रेलवे पावर हाउस के पास कस्बा शंकरगढ़ से गिरफ्तार किया गया ।

गैर इरादतन हत्या के प्रयास में महिला समेत दो गिरफ्तार

प्रयागराज । सोमवार को तिलक समारोह में बाजा बजाने को लेकर हुए जमकर मारपीट के मामले में बारा कोतवाली पुलिस ने महिला समेत दो लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थाना प्रभारी बारा ने बताया कि गैर इरादतन हत्या के प्रयास में वांछित दो अभियुक्तगण कविता पत्नी स्व0 सुग्रीव बिन्द पुत्री मूलचन्द्र . चन्द्रशेखर उर्फ छोटू पुत्र मूलचन्द्र निवासीगण असरवई थाना बारा कमि0 प्रयागराज को थाना क्षेत्र बारा से गिरफ्तार किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

15 बीईओ निलंबित, एक से स्पष्टीकरण

निलंबित सभी बीईओ के खिलाफ दो माह से दो वर्ष में हुई कार्रवाई

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। प्रदेश के 15 खण्ड शिक्षाधिकारियों (बीईओ) के खिलाफ दो माह से लेकर दो वर्ष में निलंबन की कार्रवाई हुई है जबकि कन्नौज जिले के एक खण्ड शिक्षाधिकारी से स्पष्टीकरण करण तलब किया गया है। इन सभी निलंबित बीईओ पर वित्तीय अनियमितता और गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप लगे है जिनकी उच्च स्तरीय जांच शासन स्तर पर चल रही है जबकि 89 बीईओ के खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई चल रही है। इनको फील्ड में कोई तैनाती नही मिली है बल्कि यह बीईओ मुख्यालय से संबंद्ध है। जांच पूरी होने के बाद इन सभी के खिलाफ कार्रवाई होना तय माना जा रहा है। संबंधित बीईओ के खिलाफ अगर कार्रवाई होती है तो उनको प्रमोशन भी रूक जाएगा।
अपर शिक्षा निदेशक (बेसिक) कामताराम पाल ने बताया कि जो बीईओ निलंबित किए गये है वह जांच के बाद बहाल होगे। उन्होंने बताया कि जिन 89 बीईओ के खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई चल रही है उसके पूरा होने के बाद ही कोई निर्णय शासन स्तर पर लिया जाएगा।अपर शिक्षा निदेशक (बेसिक) कामताराम पाल ने बताया कि दो दर्जन और बीईओ की शिकायत क्षेत्रीय जन प्रतिनिधियों और शिक्षकों ने पत्र लिखकर किया है उसकी भी जांच जिला स्तर पर शीघ्र शुरू होने जा रही है।
उल्लेखनीय है कि जिन बीईओ के खिलाफ कार्रवाई चल रही है उन सभी की गंभीर शिकायत हुई है जिसकी शासन स्तर पर जांच हो रही है।

नाबालिक के साथ दुष्कर्म का वांछित आरोपी गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
बहरिया। पास्को एक्ट और दुष्कर्म के आरोपी को बहरिया पुलिस ने धमौर के ईदगाह तिराहे से गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है। प्रतापगढ़ के थाना कोतवाली स्थित एक गांव की किशोरी को बहरिया थाना क्षेत्र के सरायदारा सिकोह उर्फ मिझूरा निवासी वकील अहमद ने अपने प्रेमजाल में फंसा लिया । आरोप है कि वकील अहमद ने किशोरी से शादी का झांसा देकर छः वर्षों तक शारीरिक संबंध बनाया। इसी बीच किशोरी को गर्भ ठहर जाने पर अपनी भाभी की मिलीभगत से किशोरी का गर्भपात भी करावा दिया। इधर वकील अहमद के भाई ने किशोरी से विवाह करने को मना किया तो किशोरी के परिजनों ने जनपद प्रतापगढ़ के थाना कोतवाली में वकील अहमद और उसके परिवार वालों सहित कई लोगों पर गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराई है। मामले में सोमवार को थाना अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह को सूचना मिली कि पास्को एवं दुष्कर्म का आरोपित वकील अहमद ईदगाह स्थित धमौर तिराहे पर मौजूद है। जिसे बहरिया पुलिस के द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

मुकदमा वापस न लेने पर धमकी तीन लोगो के खिलाफ मुकदमा दर्ज

बहरिया। जुगनीडीह गांव में मुकदमा वापस लेने की धमकी देने पर बहरिया पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।
जुगनीडीह निवासी इरफान अहमद मलिक का आरोप है कि सल्ले चौराहा स्थित वह अपनी सीमेंट सरिया की दुकान पर बैठा था। तभी अर्टिगा कार से पुरानी रंजिश को लेकर मोहम्मद सैफ तथा उनके साथ फहद व आदिल आये । मोहम्मद सैफ के हाथ में अवैध असलहा था। जो धमकाते हुए बोले कि मुकदमा वापस ले लो नहीं तो दूसरी बार अएगे तो जान से मार दिया जाएगा। तीनों लोग धमकाते हुए लोग चले गए। मामले में इरफान अहमद मलिक की तहरीर पर बहरिया थाने में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है।

फूलपुर में अखिल भारतीय प्रधान संगठन की बैठक आज, आंदोलन की रणनीति बनेगी

सबसे तेज प्रयागराज
फूलपुर। अखिल भारतीय प्रधान संगठन के नेतृत्व में लखनऊ में प्रस्तावित आंदोलन की रणनीति तय करने के लिए मंगलवार शाम तीन बजे फूलपुर ब्लॉक मुख्यालय पर ग्राम प्रधानों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सतेंद्र त्रिपाठी एवं प्रदेश सचिव जगदीश गुप्ता मौजूद रहेंगे।

इस अवसर पर नेताओं ने कहा कि प्रधानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर लखनऊ में होने वाले आंदोलन में अधिक से अधिक प्रधान और संगठन पदाधिकारी शामिल होकर अपनी आवाज बुलंद करें। उन्होंने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों की अनदेखी और विकास कार्यों में आ रही बाधाओं को लेकर संगठन अब निर्णायक संघर्ष की तैयारी कर रहा है।
बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद मौजी लाल रावत ने क्षेत्र के सभी ग्राम प्रधानों से लखनऊ में प्रस्तावित आंदोलन में सक्रिय भागीदारी की अपील की। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष योगेन्द्र भारतीय, जिला मीडिया प्रभारी मौजी लाल रावत सहित कई प्रधान एवं संगठन पदाधिकारी मौजूद रहेंगे।

फूलपुर में किसानों का फूटा गुस्सा, अवैध खनन, बिजली संकट और पेयजल समस्या पर गरजे किसान

सबसे तेज प्रयागराज
फूलपुर। रूदापुर गांव में आयोजित भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक की बैठक में किसानों ने क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं को लेकर प्रशासन के खिलाफ जमकर नाराजगी जताई।

बैठक में अवैध खनन, भीषण गर्मी में पेयजल संकट, बिजली कटौती, सिंचाई व्यवस्था और आवारा पशुओं से फसलों को हो रहे नुकसान जैसे मुद्दे प्रमुखता से उठाए गए। मंडल महासचिव जगदीश नारायण तिवारी ने कहा कि फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के विभिन्न गांवों में दिन-रात जेसीबी मशीनों से अवैध खनन कराया जा रहा है। मिट्टी लदे ट्रैक्टर गांव की गलियों में तेज रफ्तार से दौड़ रहे हैं, जिससे बच्चों और ग्रामीणों की जान को खतरा बना हुआ है, लेकिन स्थानीय पुलिस प्रशासन कार्रवाई करने में विफल साबित हो रहा है।
उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के चलते गांवों के तालाब और अमृत सरोवर सूख चुके हैं, जिससे ग्रामीणों और पशु-पक्षियों के सामने पेयजल संकट गहरा गया है। लगातार बिजली कटौती से लोगों का जनजीवन प्रभावित है और किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा है।
बैठक में किसानों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द बिजली संकट, पेयजल समस्या और इलाके में हो रहे अवैध खनन पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन बड़ा आंदोलन छेड़ने को मजबूर होगा।
बैठक में मंडल अध्यक्ष बबलू दूबे, मंडल सचिव राजेंद्र प्रसाद, ब्लॉक अध्यक्ष अंगद मौर्या, गंगापार अध्यक्ष राजनाथ गौतम, जिला महामंत्री मुन्ना सिंह, सुल्तान आलम, ज्ञानेंद्र कुशवाहा, एहसास खान सहित बड़ी संख्या में किसान और संगठन कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक समागम में शिक्षिका सुनीता कनौजिया सम्मानित

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। सृजन अंतर्राष्ट्रीय कला, साहित्य संस्कृति अयोध्या की ओर से अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक समागम लखनऊ में आज आयोजित किया गया। इसमें हिन्दी हमारी पहचान (काव्य), हिन्दी हमारी पहचान (आलेख), स्वावलंबन (पंचम संस्करण), सतत संरक्षण हमारा प्रयास और काव्य किरण का विमोचन हुआ। शैक्षिक संगोष्ठी में वक्ताओं ने हिन्दी हमारी पहचान, एआई तकनीक और प्रयोग / महत्व पर विचार रखा। इस दौरान सृजन अंतर्राष्ट्रीय साहित्य रत्न सम्मान, सृजन अंतर्राष्ट्रीय सह संपादक सम्मान, एनएमएमएसई गौरव सम्मान और सृजन सेवा सम्मान शिक्षक / शिक्षिकाओं को प्रदान किया गया। प्रयागराज के प्राथमिक विद्यालय बसहरा तरहार जसरा की शिक्षिका सुनीता कनौजिया (मधु) को काव्य लेखन के लिए आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बुके, अंगवस्त्रम, प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो देकर सृजन अंतर्राष्ट्रीय साहित्य रत्न सम्मान से सम्मानित किया। प्राथमिक विद्यालय बसहरा तरहार जसरा की शिक्षिका सुनीता कनौजिया (मधु) ने आयोजन समिति के पदाधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि सम्मानित किये जाने से शिक्षक / शिक्षिकाओं में उत्साह बढता है और वह आगे बढकर कार्य करने के लिए उत्साहित होते है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों में शामिल होने से बहुत कुछ सीखने को मिलता है जिससे शिक्षण और साहित्य में निखार आता है उसका लाभ छात्र / छात्राओं के शिक्षण के दौरान उनको मिलता है।
शिक्षिका सुनीता कनौजिया (मधु) अटल बिहारी बाजपेयी नगर (नैनी) के विद्या नगर, डांडी की निवासी है। उनका शिक्षण से विशेष लगाव है। उनको प्रकृति और पक्षियों से विशेष प्रेम है। अपने घर में तीन दर्जन गौरैया का घोसला लगा रखा है जिसमें गौरैया रहती है उनको दाना, पानी की व्यवस्था करते हुए उनकी देखभाल करती है।विद्यालय में बच्चों को नवाचार से शिक्षण कराती है। शिक्षिका सुनीता कनौजिया का कहना है कि बच्चों को बेहतर तरीके से शिक्षण कराना उनकी प्राथमिकता है जिससे कि बच्चे पढ - लिखकर आगे बढ सके।

नैनी पुलिस ने चोर गिरफ्तार किया, चोरी की 45 एण्ड्रायड टच स्क्रीन मोबाइल बरामद

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। नैनी पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त मोनू कुमार निवासी ग्राम तीन पहाड़ थाना तीन पहाड़ जनपद साहेबगंज झारखंड को चकबबुरा अलीमाबाद तालाब के पास नैनी क्षेत्र से गिरफ्तार किया। इसके कब्जे से चोरी किए गए विभिन्न कम्पनियों के 45 एण्ड्रायड टच स्क्रीन मोबाइल फोन बरामद किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना नैनी में अभियुक्त मोनू कुमार व अन्य दो अभियुक्तों के विरूद्ध धारा 317(2)/317(5) बीएनएस का मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में अभियुक्त मोनू कुमार ने बताया कि हम लोग झारखंड के रहने वाले हैं। आपस में मिलकर एक गिरोह बनाकर प्रयागराज के अलग-अलग स्टेशनों से आने जाने वाले व्यक्तियों व ट्रेनों से आने जाने वाले यात्रियों की रेकी कर उनके जेब, पर्स व बैग से मोबाइल चोरी कर लेते हैं। चोरी की मोबाइलों को कम दामों में बेचकर अपने शौक पूरा करते हैं। इसी के साथ जो मोबाइल चोरी करते है, यदि किसी मोबाइल का लाक खुल जाता है तो उस मोबाइल से यूपीआई आईडी से आनलाइन शापिंग भी कर लेते है। बरामद मोबाइल प्रयागराज के अलग-अलग स्टेशन से आने जाने वाले व्यक्तियो व ट्रेनो से आने जाने वाले यात्रियों की रेकी कर उनके जेबों,पर्सो, बैगो से मौका पाकर मोबाइल चोरी किया गया है।
गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक नैनी बृज किशोर गौतम, उपनिरीक्षक सोहराब अहमद समेत कई पुलिसकर्मी शामिल रहें।

संपादकीय

पांच राज्यों के बाद इंडिया गठबंधन की खुली कलई

देश की राजनीति में विपक्षी एकता के बड़े दावे के साथ बना इंडिया गठबंधन अब लगातार अंतर्विरोधों और नेतृत्व संकट से जूझता दिखाई दे रहा है। जिस गठबंधन को लोकतंत्र बचाने और सत्तारूढ़ दल को चुनौती देने के उद्देश्य से तैयार किया गया था, वही आज आपसी अविश्वास, क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं और विचारधारात्मक टकराव का शिकार बनता जा रहा है। हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि केवल सत्ता विरोध की राजनीति किसी गठबंधन को लंबे समय तक जीवित नहीं रख सकती। वहीं बड़े स्तर पर आपसी बैठक व अपने मनमुटाव दूर कर गठबंधन का धर्म निभायें नहीं तो वो दिन दूर नहीं कि यह विपक्षी राज्यस्तर वार धीरे धीरे अपनी भूमि भी खो बैठेंगे?

इंडिया गठबंधन का पूरा नाम इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस है। हिंदी में इसे भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन कहा जाता है। इसकी स्थापना 18 जुलाई 2023 को इस उद्देश्य के साथ की गई कि 2024 के लोकसभा चुनाव में सत्तारूढ़ सरकार के खिलाफ एकजुट होकर हराना है ताकि सत्ता हासिल की जा सकें जिसमें कुछ हद तक २४० तक रोकने में सफल हुए। इस गठबंधन में लगभग ३० विपक्षी दल थे। लोकसभा के बाद राज्यों में यही विपक्षी पार्टियां एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप में मसगूल होकर जीतने चले थे लेकिन मिला क्या ? विपक्षी पार्टी के मुख्य चेहरे जो पार्टियां के मुख्य भी हैं वह अपने दल को भी हरा बैठे और यहां तक की खुद भी हार गये। यानि हारने के बाद फिर इंडिया गठबंधन की याद आने लगी।

गठबंधन की सबसे बड़ी कमजोरी उसका स्पष्ट नेतृत्व न होना है। अलग-अलग राज्यों में दलों की अपनी-अपनी राजनीतिक मजबूरियां हैं। बंगाल में अपनी राजनीति को प्राथमिकता देती हैं, तो दिल्ली और पंजाब के समीकरणों को लेकर अलग रणनीति अपनाते हैं। वहीं इंडिया गठबंधन के नेतृत्व को लेकर भी सहयोगी दलों में पूर्ण सहमति दिखाई नहीं देती। परिणामस्वरूप गठबंधन का साझा एजेंडा लगातार धुंधला पड़ता जा रहा है। विपक्षी दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर पैदा होने वाले विवादों ने भी गठबंधन की कमजोरी उजागर कर दी है। कई राज्यों में सहयोगी दल एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ते नजर आए।

इससे जनता के बीच यह संदेश गया कि गठबंधन केवल चुनावी मजबूरी का प्रयोग है, न कि किसी वैचारिक प्रतिबद्धता का मंच।

लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष आवश्यक होता है, लेकिन विपक्ष तभी प्रभावी बन सकता है जब उसमें स्थिरता, स्पष्ट नीति और भरोसा हो। जनता अब केवल सरकार विरोधी नारों से संतुष्ट नहीं होती। देश के मतदाता रोजगार, महंगाई, विकास, शिक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर ठोस दृष्टिकोण चाहते हैं। यदि विपक्ष इन मुद्दों पर एकजुट होकर विश्वसनीय विकल्प प्रस्तुत नहीं कर पाता, तो उसकी राजनीतिक स्वीकार्यता सीमित रह जाएगी। केवल प्रेस कॉन्फ्रेंस, संयुक्त बैठकें और सोशल मीडिया अभियान किसी गठबंधन को जनआंदोलन का स्वरूप नहीं दे सकते। आज आवश्यकता इस बात की है कि विपक्ष आत्ममंथन करे। यदि इंडिया गठबंधन और उसके सहयोगी दल वास्तव में लोकतांत्रिक संतुलन बनाए रखना चाहते हैं, तो उन्हें व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं से ऊपर उठकर साझा राष्ट्रीय दृष्टि प्रस्तुत करनी होगी। अन्यथा इंडिया गठबंधन की खुली कलई आने वाले समय में उसकी राजनीतिक विश्वसनीयता को और कमजोर कर सकती है।

आजादी का मोल तो जान लिया, पर नागरिक होने का फर्ज कब सीखेंगे?

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में 10 मई की तारीख महज एक घटना नहीं, बल्कि एक हमारी चेतना के उदय का प्रतीक है। संयोग देखिए कि वर्ष 1857 के उस रविवार और आज के रविवार में एक अद्भुत समानता है झ वही तारीख और वही दिन। लेकिन इस समानता के बीच समय का एक लंबा फासला है, जो हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि जिस आजादी की नींव मेरठ की उन गलियों में रखी गई थी, उसे एक नागरिक के तौर पर हमने कितना समझा है। 10 मई 1857 की उस शाम मेरठ छावनी में जब भारतीय सैनिकों ने विद्रोह का बिगुल फूंका, तो वह केवल एक सैन्य बगावत नहीं थी। वह बरसों से दबे हुए उस गुस्से की आवाज थी, जो ब्रिटिश शासन के जुल्म और बेइज्जती के खिलाफ पनप रहा था।

अक्सर कहा जाता है कि बगावत चर्बी वाले कारतूसों की वजह से हुई, लेकिन असल में यह लड़ाई अपनी मिट्टी और अपनी पहचान को बचाने की थी। सोचिए, उस दौर में न तो आज की तरह मोबाइल फोन थे और न ही इंटरनेट। उन सैनिकों के पास लड़ने के लिए न तो बहुत आधुनिक हथियार थे और न ही सुख-सुविधाएं। इसके बावजूद उन्होंने ह्यरोटी और कमलह्ल जैसे साधारण प्रतीकों के जरिए पूरे देश को जोड़ दिया। यह जुड़ाव इतना मजबूत था कि आज की इस सूचना क्रांति के दौर में भी वह एक मिसाल है। मेरठ से दिल्ली की ओर बढ़ने वाले उन क्रांतिकारियों के बीच धर्म, जाति या इलाके की कोई दीवार नहीं थी। उस वक्त उनके सामने सिर्फ एक ही लक्ष्य था झ देश को गुलामी की जंजीरों से बाहर निकालना। हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई सैनिकों ने आपसी मतभेद भुलाकर कंधे से कंधा मिलाया और दिल्ली के तख्त को अपना नेतृत्व सौंपा। भारतीय एकता के उस सुनहरे दौर को आज के विखंडित होते समाज मे फिर से याद करने की बहुत जरूरत है। लेकिन जब हम आज के हालात में उस महान क्रांति को देखते हैं, तो कई कड़वी सच्चाईयां सामने आती हैं।

आजादी मिले साढ़े सात दशक बीत चुके हैं, पर क्या हम वाकई एक जागरूक और चेतना संपन्न नागरिक बन पाए हैं? आज हमारे पास संविधान से मिले अधिकार तो हैं, परंतु हम उनके लिए लड़ना नहीं जानते और जब उन्हीं अधिकारों के साथ जुड़ी अपनी जिम्मेदारियों को निभाने की बात आती है, तो हम अक्सर मुंह फेर लेते हैं।

चारधाम यात्रा की पीड़ा

सीता राम शर्मा चेतन

आध्यात्म और धर्म हिन्दू और हिन्दुस्तान की आत्मा है और इसलिए हिन्दुस्तान विश्व की आत्मा है ! यह सत्य जो स्वीकार नहीं कर पा रहे संभवतः इसी सदी में वे इसे ज्यादा गहराई से ना सिर्फ स्वीकार करेंगे अपितु इसके प्रचार-प्रसार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे ! हिन्दुस्तान में जब धर्म और आध्यात्म की चर्चा होती है तो स्वाभाविक रूप से उसमें हिमालय का चिंतन-मनन और मंथन प्रमुखता से होता है और हिमालय का नाम लेते ही उसके चारधाम का विचार अवश्यमेव आता ही है । हिन्दुस्तान में चारधाम यात्रा करना जीवन को सार्थक करने का पर्याय माना जाता है । आदिकाल से ही साधु-संतों, साधकों और धर्मावलम्बियों के लिए हिमालय आध्यात्मिक साधना और उसके दिव्य आनंद, परिणाम को प्राप्त करने का मुख्य धर्मक्षेत्र रहा है ! असंख्य जीवों, साधकों ने इस क्षेत्र में ना सिर्फ घोर जप-तप किया है बल्कि ईश्वर का साक्षात्कार, संग और आशीर्वाद प्राप्त कर अपने मानवीय जीवन को सार्थक कर लिया है ! आज जिक्र उसी हिमालय की दूसरी बार की गई यात्रा का ।

हिमालय के चारधाम यात्रा का पहला सुयोग मुझे 2012 में मिला था । निःसंदेह तब की गई वह यात्रा आध्यात्मिक अनुभूति और आनंद से परिपूर्ण थी ! मार्ग थोड़ा दुर्गम था पर यात्रा का महत्व सुगम था क्योंकि तब चारधाम यात्रा अधिकांश वही लोग करते थे जिनका आध्यात्म और ईश्वर से सरोकार ज्यादा था । जो सचमुच स्वंय में या समक्ष ईश्वर की अनुभूति करना चाहते थे । उस यात्रा का आनंद और उल्लास पिछले चौदह वर्षों तक सांसो में बसा रहा पर आज जब दूसरी बार यात्रा कर लौटा हूं तब स्थिति बिल्कुल विपरीत है । मन बेहद उदास-हताश और आक्रोश से भरा है । जबकि अब यात्रा पहले से बहुत ज्यादा सुविधाजनक हो गई है।

सुविधाजनक होने के बाद उदास-हताश और आक्रोश से भरे होने का कारण स्पष्ट करना भी अत्यंत पीड़ादायक है । अनगिनत वृक्षों को काट कर और पर्वतों की छाती छिलकर बनाए गए चौड़े मार्ग सुकून से ज्यादा पीड़ादायक हैं । गायब हुए कलकल करते झरने आंखों से अश्रु झरने बहाने के लिए विवश करते हैं । मार्ग में जगह-जगह बहते निर्मल मीठे पानी की जगह अब सरकार की आर्थिक विकास वाली अंध कृपा से हर जगह उपलब्ध रंगीन नशीली शराब और केमिकल युक्त बोतलबंद पानी ने ले ली है ! आध्यात्मिक मार्ग को बाधित करने के लिए शराब ही नहीं मांसाहार भी सर्वत्र सहज उपलब्ध है ! यात्रा को महत्वहीन और पीड़ादायक बनाने का शेष काम उस भीड़तंत्र ने पूरा कर दिया है जिसका आध्यात्म और धर्म से सरोकार संभवतः या तो नहीं है और है तो औपचारिकता भर का है, जो कुछ वास्तविक श्रद्धालु भक्तों, साधकों के लिए भी उनकी इस अति महत्वपूर्ण आध्यात्मिक यात्रा में विक्षेप और विक्षोभ ही उत्पन्न करता है ।

चारधाम यात्रा अब आध्यात्मिक यात्रा ना होकर पर्यटन, भ्रमण, मनोरंजन और मौज-मस्ती की यात्रा बन चुकी है । संक्षिप्त में कहें तो अब यह सप्ताह-दस दिन की पिकनिक वाली यात्रा बनती जा रही है । ईश्वर दर्शन की अभिलाषा अब सेल्फी प्रदर्शन की लालसा के अधीन है । कुल मिलाकर चारधाम यात्रा में अब धर्म अधर्म और संस्कार कुसंस्कार का रूप लेता जा रहा है । इसे रोकना होगा । कैसे ? इसका एक छोटा सा उपाय धारी देवी मंदिर के प्रांगण में व्यवस्थापक के द्वारा किए जा रहे अनाउंसमेंट से सूझा, जब दर्शन की कतार में खड़े लोगों को सचेत करते हुए यह कहा जा रहा था झ सभी भक्तों से विनम्र आग्रह है कि आप अपना मोबाइल अपनी जेब में रखें । कृप्या मंदिर स्थल को सेल्फी स्थल ना बनाएं अन्यथा आपका मोबाइल जब्त कर लिया जाएगा । बीते हुए कल में भी दस मोबाइल जब्त किए गए थे । हालाकि वह आग्रह असरहीन ही लगा पर सख्ती से असरदार अवश्य सिद्ध होगा । मुझे लगता है कि यदि इस यात्रा पर नशामुक्त, शाकाहार युक्त और बिना कैमरे वाले फोन के साथ यात्रा करने का कठोर नियम लागू किया जाए तो ना सिर्फ इस यात्रा के वास्तविक सुपात्र एंव योग्य श्रद्धालु भक्तों के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण, पवित्र, सार्थक और उपयुक्त यात्रा सिद्ध होगी बल्कि उससे नशेड़ी, कुपात्र, निकृष्ट, अयोग्य और मनचले तथा महज पर्यटक बने लोगों से भी इस धर्मक्षेत्र की पवित्रता, मयार्दा और सार्थकता की रक्षा होगी । रही बात इस धर्मक्षेत्र में रह रहे लोगों के विकास की तो इन दिनों लगभग पूरे देश भर के राज्यों में जिस तरह जनता के विकास और सुविधा के नाम पर सरकारी कोष का दुरुपयोग किया जा रहा है, देश, विशेषकर हिन्दुओं के इस पवित्र धर्मक्षेत्र की रक्षा और मयार्दा के लिए राज्य और केंद्र सरकार को वहां के लोगों के लिए विशेष आर्थिक सहयोग राशि के साथ शिक्षा और स्वास्थ्य की उच्चस्तरीय सुविधा पूर्णतः मुफ्त मुहैया करानी चाहिए । रही बात वहां के लोगों के खान-पान की स्वतंत्रता की रक्षा की तो जागरूकता लाते हुए स्थानीय लोगों को इसकी स्वतंत्रता दी जाए पर सार्वजनिक रूप से शराब और मांसाहार की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लागू होना ही चाहिए । भारतीय हिन्दू और धर्मक्षेत्र से जुड़ी बिरादरी और संगठनों, संस्थाओं को समय रहते इस पर विचार करना आवश्यक है अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब ये तीर्थस्थल या तो स्वतः ही लुप्त हो जाएंगे या फिर 2013 की तरह या उससे कहीं ज्यादा भयावह रूप से ऐसी त्रासदी लाएंगे कि सरकारी एंव मानवकृत विकास के सारे दंभ को पल भर में मटियामेट कर देंगे । अ

ंत में एक अत्यंत आवश्यक और विचारणीय बात देश भर के तीर्थ स्थलों के लिए यह कि पिछले कुछ वर्षों में देश भर के देव स्थलों में जिस तरह वीआईपी दर्शन की व्यवस्था की जा रही है उसे त्वरित बंद करने की जरूरत है । हेलिकॉप्टर सेवा का तो कोई औचित्य ही नहीं । विश्व के प्रमुख आध्यात्मिक और धार्मिक क्षेत्र के रुप में हिन्दुस्तान में ईश्वरीय स्थलों पर आधुनिक और विकसित कहे जाने के लिए देव स्थलों का विकास तो उचित है पर वीआईपी दर्शन की व्यवस्था सर्वथा अधार्मिक, अन्यायपूर्ण और अनुचित है, जिस पर सरकार और इस देश के हिन्दुओं को, विशेषकर धर्मगुरुओं और धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक संगठनों को त्वरित विचार और व्यवहार करना, कराना चाहिए । आशा है आलेख के विचार और चिंतन पर सरकार
और हिन्दू बिरादरी गंभीरतापूर्वक विचार अवश्य करेगी ।

ज्ञान के मंदिर पर बाजार का कब्जा

डॉ विजय गर्ग

आज का विद्यालय केवल ज्ञान का मंदिर नहीं रह गया है; उसकी चौखट पर बाजार खड़ा दिखाई देता है—सजधज कर, आकर्षक पैकेजिंग के साथ, और अपने विस्तार की असीम संभावनाओं के साथ। कभी शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति के सर्वांगीण विकास, नैतिकता और समाज निर्माण से जुड़ा था, परंतु अब धीरे-धीरे यह एक सेवा से उत्पाद में बदलती जा रही है। इस परिवर्तन ने शिक्षा के मूल स्वरूप को चुनौती दी है, और यह प्रश्न उठाया है कि क्या हम वास्तव में सीख रहे हैं, या केवल खरीद रहे हैं?

विद्यालयों के बाहर कोचिंग संस्थानों, गाइड पुस्तकों, डिजिटल ऐप्स और निजी ट्यूशन का जाल फैल चुका है। यह पूरा तंत्र बच्चों और अभिभावकों को यह विश्वास दिलाता है कि बिना इन अतिरिक्त साधनों के सफलता संभव नहीं। परिणामस्वरूप, स्कूल में होने वाली पढ़ाई का महत्व घटने लगता है। छात्र कक्षा में उपस्थित तो रहते हैं, पर उनका ध्यान अक्सर उस बाजार की ओर होता है जो उन्हें तेज, आसान और सुनिश्चित सफलता का वादा करता है।

बाजार की यह घुसपैठ केवल शैक्षणिक सामग्री तक सीमित नहीं है। आज स्कूलों में ब्रांडेड यूनिफॉर्म, महंगे बैग, विशेष किताबें, और अनिवार्य गतिविधियों के नाम पर अतिरिक्त शुल्क—ये सब मिलकर शिक्षा को महंगा और असमान बना रहे हैं। शिक्षा का अधिकार तो सबको है, लेकिन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अब धीरे-धीरे केवल उन लोगों तक सीमित होती जा रही है जो इसे अफोर्ड कर सकते हैं। इससे समाज में एक नया वर्ग विभाजन उत्पन्न हो रहा है—शिक्षा आधारित असमानता।

डिजिटल क्रांति ने भी इस बाजार को और मजबूत किया है। ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म, एड-टेक कंपनियाँ और वर्चुअल क्लासेस ने शिक्षा को तकनीकी रूप से उन्नत तो बनाया है, लेकिन इसके साथ ही शिक्षा का व्यावसायीकरण भी बढ़ा है। विज्ञापन यह बताते हैं कि स्मार्ट लर्निंग ही सफलता की कुंजी है, जबकि वास्तविकता यह है कि तकनीक केवल एक माध्यम है, लक्ष्य नहीं।

इस परिदृश्य में सबसे अधिक प्रभावित होता है—शिक्षक और छात्र का संबंध। शिक्षक, जो कभी मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत हुआ करता था, अब कई बार केवल एक सेवा प्रदाता के रूप में देखा जाने लगता है। वहीं छात्र, जो जिज्ञासु और खोजी होना चाहिए, वह अंकों और रैंकिंग के दबाव में अपनी मौलिकता खोने लगता है। शिक्षा का मानवीय पहलू धीरे-धीरे सिमटता जा रहा है।

यह भी सच है कि बाजार पूरी तरह नकारात्मक नहीं है। उसने शिक्षा में प्रतिस्पर्धा, नवाचार और संसाधनों की उपलब्धता को बढ़ाया है। लेकिन जब बाजार का उद्देश्य केवल लाभ कमाना हो जाए, और शिक्षा का उद्देश्य पीछे छूट जाए, तब समस्या उत्पन्न होती है। संतुलन का अभाव ही सबसे बड़ी चुनौती है।

आवश्यकता इस बात की है कि हम शिक्षा को फिर से उसके मूल उद्देश्य से जोड़ें। स्कूलों को केवल परीक्षा परिणामों का केंद्र न बनाकर, उन्हें विचार, संवाद और सृजन का मंच बनाना होगा। सरकार, शिक्षण संस्थानों और समाज को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि शिक्षा सुलभ, समावेशी और मूल्य आधारित बनी रहे।

अभिभावकों को भी इस भ्रम से बाहर निकलना होगा कि अधिक खर्च का अर्थ बेहतर शिक्षा है। बच्चों को यह समझाना होगा कि सीखना एक प्रक्रिया है, न कि कोई उत्पाद जिसे खरीदा जा सके। शिक्षकों को भी अपने भूमिका को पुनः परिभाषित करना होगा—वे केवल पाठ पढ़ाने वाले नहीं, बल्कि जीवन के मार्गदर्शक हैं।

शिक्षा का कमर्शियलाइजेशन: एक कड़वी सच्चाई

आधुनिक स्कूलों में अब केवल पढ़ाई नहीं बिकती, बल्कि सुविधाओं का एक पूरा पैकेज बिकता है। स्कूल अब एक शैक्षणिक संस्थान कम और एक कॉर्पोरेट ऑफिस ज्यादा नजर आते हैं।

एडमिशन का खेल: भारी-भरकम डोनेशन और डेवलपमेंट फीस के नाम पर अभिभावकों की जेबों पर डाका डाला जा रहा है।

यूनिफॉर्म और किताबों का एकाधिकारः अधिकांश स्कूलों ने अब अपनी चौखट के भीतर ही दुकानें खोल ली हैं। जूते, मोजे, टाई से लेकर कॉपियों तक, सब कुछ स्कूल द्वारा निर्धारित दुकान से ही लेना अनिवार्य है, जो बाजार भाव से कहीं अधिक महंगी होती हैं।

ईवेंट्स और दिखावा: एनुअल फंक्शन और स्पोर्ट्स डे अब प्रतिभा निखारने के बजाय स्कूल की भव्यता दिखाने के विज्ञापन बन गए हैं।

भीतर सिमटती शिक्षा

जैसे-जैसे बाजार का प्रभाव बढ़ा है, शिक्षा का मूल स्वरूप संकुचित होता गया है।

ज्ञान बनाम ग्रेड्स: आज की शिक्षा का पैमाना बच्चे ने क्या सीखा से बदलकर बच्चे ने कितने प्रतिशत अंक पाए पर टिक गया है। शिक्षा अब चहुंमुखी विकास के बजाय एक रैंक-बनाने वाली मशीन बनकर रह गई है।

हादसों से आखिर कब चेतेंगे हम ?

विनोद कुमार विक्की

हाल के दिनों में देश के विभिन्न हिस्सों से आई दुर्घटनाओं की खबरों ने एक बार फिर हमारे सुरक्षा तंत्र, प्रशासनिक व्यवस्था और आम जन की लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जबलपुर क्रूज हादसा में सामने आई मौत की तस्वीरों ने मानवता को झकझोर कर रख दिया।

माँ और मासूम की एक-दूसरे से लिपटी निर्जीव देह हो या हादसे से पहले के वीडियो, हर दृश्य आंखों को नम कर देने वाला है। अंतिम क्षणों में लोग एक-दूसरे को लाइफ जैकेट पहनाने की कोशिश कर रहे थे, जो यह दशार्ता है कि सुरक्षा के प्रति जागरूकता अक्सर देर से आती है।

इसी तरह वृंदावन नाव दुर्घटना में एक दर्जन से अधिक पर्यटकों की मौत हो गई। जांच में सामने आया कि नाव में ओवरलोडिंग थी और लाइफ जैकेट का समुचित उपयोग नहीं किया गया था। यह कोई पहली घटना नहीं है।

इससे पहले भी देश के कई पर्यटन स्थलों पर नाव, क्रूज और वाटर स्पोर्ट्स से जुड़े हादसे होते रहे हैं, जहां रोमांच की कीमत लोगों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी।

सड़क हादसों की स्थिति भी कुछ अलग नहीं है।

हाल ही में विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्गों पर तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण सैकड़ों लोगों की जान गई है। ओला बाइक, कैब, ऑटो रिक्शा और निजी बसों के चालक अधिक सवारी और जल्दी ट्रिप पूरी करने की होड़ में सुरक्षा मानकों को दरकिनार कर देते हैं। तेज गति का यह रोमांच कई बार आत्मघाती साबित होता है। भारत सड़क दुर्घटनाएँ के आंकड़े बताते हैं कि हर वर्ष लाखों लोग सड़क हादसों में अपनी जान गंवाते हैं या स्थायी रूप से घायल हो जाते हैं।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इन सेवाओं का संचालन करने वाली एजेंसियां अक्सर केवल कर वसूली और लाइसेंस जारी करने तक सीमित रह जाती हैं। सुरक्षा मानकों के अनुपालन की नियमित जांच लगभग न के बराबर होती है। रेलवे जैसी संस्थाओं में जहां लोको पायलट की अल्कोहल जांच और स्वास्थ्य परीक्षण अनिवार्य है, वहीं निजी बस, टैक्सी, नाव या स्टीमर चालकों के लिए ऐसी सख्ती या अनुपालन प्रायः देखने को नहीं मिलती। वर्षों पुराने, जर्जर वाहनों का संचालन खुलेआम जारी रहता है और ओवरलोडिंग एक सामान्य बात बन चुकी है। ऐसे लोलूप संगठनों के लिए पैसों के सामने मानव जिंदगियां छोटी पड़ जाती है। प्रश्न यह भी उठता है कि क्या केवल प्रशासन ही इन घटनाओं के लिए जिम्मेदार है? क्या आम नागरिकों का कोई दायित्व नहीं बनता? हम अक्सर जोखिम देखकर भी चुप रहते हैं, ओवरलोड नाव में बैठ जाते हैं, बिना हेलमेट तेज रफ्तार बाइक पर सफर करते हैं, या असुरक्षित वाहन में यात्रा कर लेते हैं। यह चुप्पी भी कहीं न कहीं इन दुर्घटनाओं को बढ़ावा देती है।

गटर में उतरती इंसानियत : सफाईकर्मियों की मौतें बताती हैं कि जातिवाद आज भी जिंदा है

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत के शहर आज दो तस्वीरों में बँटे हुए दिखाई देते हैं। एक तस्वीर चमचमाती सड़कों, स्मार्ट सिटी योजनाओं, बड़े-बड़े मॉल और स्वच्छता अभियानों की है, जबकि दूसरी तस्वीर कूड़े के ढेरों, बदबूदार नालियों, उफनते सीवरों और उनमें उतरते इंसानों की है। दुर्भाग्य यह है कि दूसरी तस्वीर को देखने से समाज अक्सर बचता है, क्योंकि वह तस्वीर केवल गंदगी की नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक चरित्र की सच्चाई भी दिखाती है। शहरों की सफाई जिन लोगों के भरोसे है, वही लोग आज भी सबसे अधिक अपमान, असुरक्षा और उपेक्षा झेल रहे हैं। यह केवल प्रशासनिक असफलता नहीं, बल्कि उस जातिवादी मानसिकता का परिणाम है जो हजारों वर्षों से कुछ लोगों को ह्लगंदगी साफ करने वालाह्व मानती आई है।

यह विडंबना ही है कि जिस समाज में सफाई को ईश्वर के बराबर बताया जाता है, उसी समाज में सफाई करने वाले इंसान को बराबरी का दर्जा नहीं मिलता। जिन हाथों से शहर साफ रहते हैं, उन्हीं हाथों को लोग अपने घरों की चौखट पर सम्मान नहीं देना चाहते। संविधान ने बराबरी का अधिकार दिया, कानूनों ने अस्पृश्यता को अपराध घोषित किया, लेकिन समाज के दिमागों में बैठी जाति की गंदगी आज भी जस की तस मौजूद है। यही कारण है कि सफाई कर्मचारी आज भी अधिकांशतः एक ही जाति विशेष से आते हैं। आधुनिक भारत का यह सबसे बड़ा सामाजिक विरोधाभास है कि चाँद पर पहुँचने वाला देश आज भी अपने ही नागरिकों को नंगे हाथों से गटर साफ करने पर मजबूर करता है।

हर वर्ष देश के अलग-अलग हिस्सों से खबर आती है कि सीवर साफ करते समय जहरीली गैस से कई सफाई कर्मचारियों की मौत हो गई। कुछ देर के लिए मीडिया में चर्चा होती है, प्रशासन दुख जताता है, नेता मुआवजे की घोषणा करते हैं और फिर मामला खत्म हो जाता है। लेकिन उन परिवारों के लिए जिंदगी कभी सामान्य नहीं होती। एक मजदूर की मौत केवल एक व्यक्ति की मौत नहीं होती, बल्कि पूरे परिवार की उम्मीदों, बच्चों के भविष्य और घर की रोटी का अंत होती है। सबसे दुखद बात यह है कि इन मौतों को समाज ने लगभग ह्लसामान्यह्व मान लिया है। जैसे यह कोई हादसा नहीं, बल्कि उनका तयशुदा भाग्य हो।

सवाल यह है कि आखिर क्यों आज भी इंसानों को सीवर में

उतरना पड़ता है? क्या तकनीक के इस दौर में मशीनें यह काम नहीं कर सकतीं? सच यह है कि मशीनें मौजूद हैं, तकनीक मौजूद है, संसाधन भी मौजूद हैं, लेकिन सफाई कर्मचारियों की जान को कभी प्राथमिकता नहीं माना गया। गरीब मजदूर की जिंदगी इस व्यवस्था के लिए सस्ती है। यही कारण है कि सुरक्षा उपकरणों के बिना लोगों को जहरीले गटरों में उतार दिया जाता है। कई बार ठेकेदार और अधिकारी जानते हैं कि यह गैरकानूनी है, फिर भी यह सब जारी रहता है, क्योंकि मरने वाला कोई प्रभावशाली व्यक्ति नहीं होता।यदि किसी बड़े अधिकारी, डॉक्टर या सरकारी कर्मचारी की असामयिक मृत्यु होती है, तो पूरा तंत्र सक्रिय हो जाता है। परिवार को आर्थिक सहायता दी जाती है, सरकारी नौकरी मिलती है, नेताओं के संदेश आते हैं और संवेदनाएँ प्रकट की जाती हैं। ऐसा होना चाहिए, क्योंकि हर इंसान का जीवन मूल्यवान है। लेकिन वही संवेदनशीलता तब क्यों गायब हो जाती है जब कोई सफाई कर्मचारी सीवर में दम तोड़ देता है? उसकी पत्नी और बच्चों के आँसू कम कीमती क्यों माने जाते हैं? उसकी मौत पर समाज उतना विचलित क्यों नहीं होता? इसका उत्तर केवल आर्थिक या प्रशासनिक नहीं, बल्कि सामाजिक है। हमारे दिमागों में सदियों से भरी जातिवादी सोच ने सफाई कर्मचारियों की पीड़ा को ह्लसामान्यह्व बना दिया है।

असल में सड़कों पर फैली गंदगी से ज्यादा खतरनाक गंदगी हमारे दिमागों में भरी हुई है। सड़क का कचरा नगर निगम उठा सकता है, लेकिन मानसिक कचरा पीढ़ियों की सोच बदलने से ही हटेगा। हमने सफाई को काम नहीं, जाति बना दिया। हमने कुछ लोगों को यह विश्वास दिलाया कि उनका जन्म ही गंदगी साफ करने के लिए हुआ है। यही सोच लोकतंत्र और मानवता दोनों के लिए सबसे बड़ा खतरा है। किसी भी सभ्य समाज में कोई पेशा जन्म से तय नहीं होता, लेकिन भारत में जाति ने इंसान की पहचान, सम्मान और रोजगार तक तय कर दिए।

विडंबना यह भी है कि ह्लस्वच्छ भारतह्व जैसे अभियान चलाने वाला देश सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पाया। फोटो खिंचवाने के लिए झाड़ू पकड़ना आसान है, लेकिन सीवर में उतरते इंसानों की जिंदगी बदलने के लिए गंभीर राजनीतिक इच्छाशक्ति चाहिए। आज भी अनेक नगरपालिकाओं में सीवर सफाई का पूरा काम ठेकेदारों के भरोसे चलता है। ठेकेदार लागत बचाने के लिए सुरक्षा उपकरण नहीं देते और मजदूर मजबूरी में मौत के कुएँ में उतर जाते हैं। जब हादसा होता है तो जिम्मेदारी एक-दूसरे पर डाल दी जाती है। किसी अधिकारी या ठेकेदार को शायद ही कभी सख्त सजा मिलती हो। यही दंडहीनता इन मौतों को जारी रखती है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि सफाई कर्मचारियों के साथ केवल आर्थिक अन्याय नहीं, बल्कि सामाजिक अपमान भी जुड़ा हुआ है। वे शहरों की सफाई करते हैं, लेकिन अक्सर गंदी बस्तियों में रहने को मजबूर होते हैं। उनके बच्चों को स्कूलों में भेदभाव झेलना पड़ता है।

दो मोटरसाइकिलों की भिड़ंत में एक युवक की मौत

प्रयागराज।
उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित मांडा थाना क्षेत्र में रविवार देर रात दो मोटरसाइकिलों की भिड़ंत में एक युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चन्द्र यादव ने बताया कि हादसे में मांडा थाना क्षेत्र के दलईपुर गांव निवासी रामराज (22) पुत्र राकेश कुमार की मौत हुई है। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि परिवार के लोगों ने बताया कि रामराज मोटरसाइकिल से शादी कार्ड लेकर बांटने निकला था। रास्ते में रविवार रात लगभग 12 से उसकी मोटरसाइकिल अचानक सामने से आ रही मोटरसाइकिल से भिड़ गई और उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही परिवार के लोग पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सुलतानपुर : तेज रफ्तार वाहन ने दो सगे भाइयों को रौदा मौत, परिवार में मचा कोहराम

सुलतानपुर।
उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर में अखण्डनगर थाना क्षेत्र के अलाउद्दीनपुर गांव के पास रविवार देर रात अनियंत्रित वाहन ने दो सगे भाइयों को रौद दिया। इससे दोनों की मौत हो गयी ।
जौनपुर के खुटहन से डीजे बजाकर लौटने के बाद बीती रात मजदूर वाहन से सामान उतार रहे थे, तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दो सगे भाई प्रदीप कुमार और अनिल कुमार पुत्र अतिबल निवासी सरैया मुबारक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को एम्बुलेंस से सीएचसी अखण्डनगर ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद गांव में मातम पसरा है ।
क्षेत्राधिकारी कादीपुर विनय गौतम ने सोमवार को बताया कि थाना अखण्डनगर ऑटो के पास खड़े हुए दो सगे भाई अनिल व प्रदीप जो सरैया मुबारकपुर के रहने वाले हैं, उनको एक अज्ञात बोलेरो द्वारा टक्कर मार दी गई, जिसके परिणामस्वरूप दोनों की मृत्यु हो गई है। शव का पंचायतनामा भरकर पीएम के लिए भेजा गया है, विधिक कार्रवाई की जा रही है। बोलेरो की तलाश जारी है।

सहारनपुर : मुस्लिम युवक ने की गर्भवती भाभी की फावड़े से काटकर हत्या

सहारनपुर।
उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में देवर ने अपनी 5 महीने की गर्भवती भाभी की फावड़े से काट कर हत्या कर दी। आरोपी आमिर ने भाभी के सिर, पेट और छाती पर कई वार किए। बचाने पहुंचे परिजनों और मोहल्ले वालों को भी मारने के लिए दौड़ा। हत्या के बाद आरोपी 2 घंटे तक फावड़ा लेकर शव के पास खड़ा रहा।
उसके बाद आरोपी ने गैस सिलेंडर खोल दिया और खुद को आग लगाने की धमकी देने लगा। शिकायत पर पहुंची पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया।
घटना रविवार रात नानौता थाना क्षेत्र के चाहमंजिली मोहल्ले की है। जहां रहने वाले सलमान ने 5 महीने पहले सना नाज (24) से लव मैरिज की थी।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर मुख्यमंत्री योगी की प्रदेशवासियों के लिए पाती

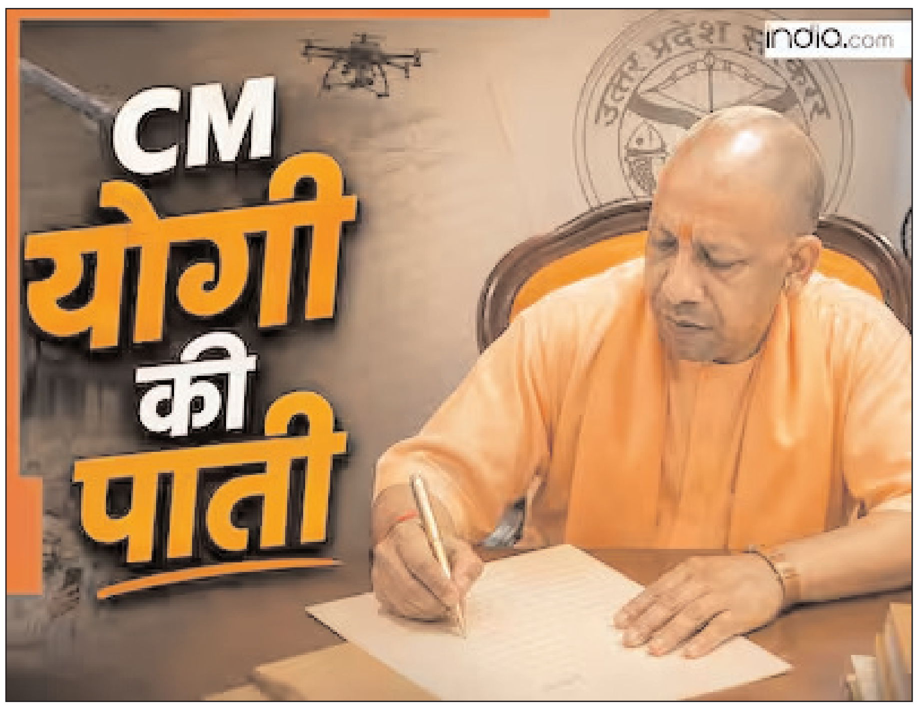

लखनऊ।
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को पाती लिखी है। उन्होंने कहा है कि मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों, तकनीक केवल विकास का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का सशक्त आधार है। प्रदेश सरकार इसी मंत्र पर आगे बढ़ रही है।
आगे लिखते हैं कि मेरे युवा साथियों, तकनीक समय की तरह है। तकनीक के साथ नहीं चलना, समय से पिछड़ जाना है। तकनीक के साथ चलने का अर्थ सुदृढ़ वर्तमान एवं स्वर्णिम भविष्य की दिशा में अग्रसर होना है। नवीनतम तकनीक सीखें, नवाचार अपनाएं एवं आत्मनिर्भर प्रदेश के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं।
मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के दिन पोखरण में ऑपरेशन शक्ति के जरिए विश्व को देश की वैज्ञानिक प्रतिभा का एहसास दिलाया गया था। 11 मई को ही हंस-3 ने सफल उड़ान भरी, स्वदेशी त्रिशूल मिसाइल का सफल परीक्षण हुआ। तकनीक केवल विकास का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का सशक्त आधार भी है। आज तकनीक प्रयोगशाला से निकलकर खेत-खलिहान तक पहुंच गई। सशक्त युवा प्रदेश की समृद्धि का आधार हैं। यूपी में रोबोटिक्स और एआई मिशन शुरू किया गया है। यूपी में डेटा सेंटर क्लस्टर की कार्यवाही चल रही है। यूपी सरकार टेक युवा समर्थ युवा योजना के जरिए युवाओं को आधुनिकतम प्रशिक्षण करवा रही है। सरकार का 'इनोवेट इन यूपी, स्केल फॉर द वर्ल्ड' मूलमंत्र है। योगी ने कहा कि हमारी सरकार ड्रोन, क्वांटम, ग्रीन हाइड्रोजन व मेड-टेक के क्षेत्र में प्रगति कर रही है। सरकार यूपी को देश का 'डीप टेक कैपिटल' बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। यूपी में ब्रह्मोस मिसाइल तक बन रही है।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ युवाओं से अपील की है कि युवा नवीनतम तकनीक सीखें। युवा नवाचार अपनाएं, आत्मनिर्भर प्रदेश के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

जौनपुर में 21 मई को होगी लेखपाल भर्ती परीक्षा, 21 केंद्रों पर 10 हजार अभ्यर्थी होंगे शामिल

जौनपुर।
यूपी के जौनपुर में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा 21 मई 2026 को आयोजित होने वाली लेखपाल भर्ती परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए आयोग के सचिव हरिकेश चौरसिया ने रविवार को कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी कक्ष में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में परीक्षा की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। जनपद के कुल 21 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की जाएगी, जिसमें लगभग 10 हजार परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक आयोजित कराई जाएगी।
प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट एवं केंद्र व्यवस्थापक की तैनाती की गई है। इसके साथ ही सेक्टर मजिस्ट्रेट भी नियुक्त किए गए हैं, जो परीक्षा की निगरानी करेंगे। सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं तथा उनकी निगरानी के लिए कलेक्ट्रेट में कंट्रोल रूम स्थापित किया जा रहा है।
बैठक में परीक्षा के दिन यातायात, परिवहन और सुरक्षा व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।
इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व परमानंद झा, वरिष्ठ कोषाधिकारी, एआरटीओ, क्षेत्राधिकारी नगर, एआरएम रोडवेज, जिला विद्यालय निरीक्षक सहित संबंधित विभागों एवं एजेंसियों के अधिकारी उपस्थित रहे।

संघ के प्रांत बाल कार्य प्रमुख आशुतोष का आकस्मिक निधन

लखनऊ।
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अवध प्रांत के बाल कार्य प्रमुख आशुतोष का रविवार रात्रि को डॉक्टर राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में निधन हो गया। दोपहर 12:00 बजे लखनऊ के गुलाला घाट पर उनका अंतिम संस्कार होगा। उनके निधन से संघ के कार्यकताओं में शोक व्याप्त है। वह संघ के विभिन्न दायित्व पर रहे।
वर्तमान में उनके पास प्रांत के बाल कार्य प्रमुख के अलावा युवाओं के बीच काम करने वाली संस्था युवराष्ट्र की भी जिम्मेदारी थी। वह लखनऊ में सेना के लेखा विभाग में कार्यरत थे। संघ के प्रांत प्रचार प्रमुख डॉ अशोक दुबे ने कहा कि जीवात्मा को अपने श्रीचरणों में स्वीकार करते हुये यथायोग्य श्रेष्ठतम गति प्रदान करें साथ ही शोक-संतृप्त परिजनों के हृदय की क्लेशाग्नि को अपनी करुणधार से शान्त करते हुये उन्हें इस कष्ट को सहने हेतु धैर्य व आत्मबल प्रदान करें। ऐसी ही उनके पदपद्मयुगल में अकिञ्चन प्रार्थना है।

वाराणसी: चौकाघाट लकड़ीमंडी में नगर निगम ने 30 करोड़ की सरकारी संपत्ति कराई मुक्त

मुख्य मार्ग पर टीन शेड डालकर बनाया था अवैध रुप से ठिकाना, दो जेसीबी के साथ करीब छह घंटे चला अभियान

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश में वाराणसी नगर निगम प्रशासन ने सरकारी संपत्तियों पर अवैध कब्जे के खिलाफ अभियान छेड़ दिया है। चितईपुर कंदवा के बाद अब नगर निगम की टीम ने चौकाघाट स्थित राजकीय आयुर्वेद कॉलेज के समीप लकड़ी मंड़ी में मुख्य मार्ग पर बड़ी कार्रवाई की है। यहां अवैध रूप से कब्जाई गई करीब 12 बिस्वा सरकारी जमीन को निगम ने अतिक्रमण मुक्त करा लिया है। बाजार दर के अनुसार इस भूमि की कुल कीमत करीब 30 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। सोमवार को यह जानकारी नगर निगम के जनसम्पर्क कार्यालय ने दी ।
बताया गया कि जीटीरोड चौकाघाट मार्ग पर स्थित बंजर भूमि पर कुछ दबंगों ने टीनशेड और दीवार खड़ी कर अवैध कब्जा कर रखा था। यहां न केवल गाड़ियां खड़ी की जा रही थीं, बल्कि व्यापारिक गतिविधियां भी संचालित थीं। इसकी शिकायत मिलने पर नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने जमीन की जांच कराई, जिसमें उक्त भूमि के बंजर होने की पुष्टि हुई। इसके बाद नगर आयुक्त ने सहायक नगर आयुक्त अनिल यादव को जमीन कब्जा मुक्त कराने का निर्देश दिया। नगर आयुक्त के आदेश पर सहायक नगर आयुक्त व नायब तहसीलदार शेष नाथ के नेतृत्व में प्रवर्तन दल और अतिक्रमण दस्ता दो जेसीबी मशीनों के साथ रविवार शाम मौके पर पहुंचा। कार्रवाई शुरू होते ही अतिक्रमणकारियों ने विरोध की कोशिश की, लेकिन भारी पुलिस बल और निगम की मुस्तैदी के आगे उनकी एक न चली। करीब छह घंटे तक चली इस कार्रवाई में टीन शेड व अन्य अस्थायी निमार्णों को ध्वस्त कर पूरी जमीन को निगम ने अपने घेरे में ले लिया। राजकीय आयुर्वेद कॉलेज के पास प्राइम लोकेशन और मेन रोड पर होने के कारण इस जमीन की कीमत काफी अधिक है। राजस्व विभाग के अनुमान के मुताबिक, यहां जमीन की बाजार दर करीब डेढ़ से दो करोड़ रुपये प्रति बिस्वा है।

लोहे का गेट गिरने से पांच वर्षीय बच्चे की मौत, हादसा सीसीटीवी में कैद

नोएडा।
घर के मुख्य दरवाजे पर लगा लोहे का गेट किसी बच्चे के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। ऐसा ही एक मामला नोएडा के थाना फेस- दो क्षेत्र के गेझा गांव में हुआ। गेट के एक पल्ले पर चढ़कर खेल रहे बच्चे के साथ गेट जमीन पर गिर गया। उसके नीचे वह करीब 40 सेकेंड दबा रहा। परिजनों और आसपास के लोगों ने उसे निकालकर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां पर उसकी मौत हो गई। हादसे का कारण गेट पुराना व उसका कब्जा गला होना बताया जा रहा है। घटना की वीडियो भी सामने आई है। पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी विजय कुमार गौतम ने आज सुबह को बताया कि गेझा गांव में मनीष परिवार संग रहते हैं। वह एक प्राइवेट कंपनी में काम करते हैं। उनका पांच वर्षीय बेटा नवदीप शनिवार को अपने घर के मुख्य द्वार पर लगे लोहे के गेट पर चढ़कर खेल रहा था। इसी दौरान अचानक गेट टूटकर उसके ऊपर गिर गया। भारी गेट के नीचे दबने से मासूम गंभीर रूप से घायल हो गया। बच्चे की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और गेट के नीचे दबे बच्चे को बाहर निकाला।
परिजन उसको कार से अस्पताल ले कर गए। जहां पर चिकित्सकों ने उपचार के दौरान बच्चे को मृत घोषित कर दिया।स्थानीय लोगों का कहना है कि गेट काफी पुराना है और उसका कब्जा गलने से कमजोर हो गया था। बच्चे के खेलने के दौरान हादसा हुआ। इस घटना की वीडियो आज सोशल मीडिया पर वायरल हुई है। लोग सोशल मीडिया पर बच्चों की सुरक्षा को लेकर तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं।

चंदौली: अस्पताल में भर्ती महिला मरीज की गोली मार कर हत्या,आरोपित को क्षेत्रीय लोगों ने पकड़ा

हमलावर को लोगों ने जमकर पीटा,पुलिस कप्तान भी मौके पर पहुंचे

चंदौली।
उत्तर प्रदेश में चंदौली जनपद के अलीनगर थाना क्षेत्र स्थित कमलापुर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती अधेड़ महिला मरीज को दूसरे मरीज ने गोली मार कर हत्या कर दी। सोमवार सुबह हुई वारदात से अस्पताल में अफरा–तफरी मच गई। वारदात की जानकारी मिलते ही क्षेत्रीय पुलिस के साथ पुलिस कप्तान भी मौके पर पहुंच गए। उधर,वारदात के बाद भाग रहे आरोपित को क्षेत्रीय लोगों ने दौड़ा कर पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई के बाद पुलिस के हवाले कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार अलीनगर कमलापुर में बसपा के पूर्व एमएलसी शिवबोध राम का जीवक अस्पताल है। बीते पॉच अप्रैल को सासाराम बिहार निवासी लक्ष्मीना देवी (55) की हालत बिगड़ने पर परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराया था। अस्पताल में मौजूद अन्य मरीजों के परिजनों के अनुसार आज सुबह एक युवक अस्पताल में भर्ती महिला मरीज के बेड पर पहुंचा और महिला पर फायर झोक दिया। वार्ड में गोलियां चलने की आवाज सुनते ही लोग डर के मारे हटबढ़ गए। वारदात के बाद आरोपी मौके से भागने लगा तो क्षेत्रीय युवकों ने शोर मचाते हुए उसे दौड़ा कर पकड़ लिया। चंदौली पुलिस कप्तान आकाश पटेल ने वारदात की जानकारी मीडिया कर्मियों को दी।
बताया कि आरोपी से पूछताछ कर वारदात के सभी पहलुओं की जांच हो रही है। उधर,प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आरोपी ने अस्पताल में वारदात के पूर्व अपना पर्चा भी बनवाया। जिसमें उसने अपना नाम वीरेन्द्र निवासी अंबाला लिखवाया। देखने में वह मानसिक रूप से बीमार लग रहा है।

सुलतानपुर : युवक ने की आत्महत्या

सुलतानपुर।
उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर में थाना कोतवाली देहात के केनौरा पालीटेकनिक एक छात्र ने बीती रात आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर जाँच शुरू कर दी है।
अपर पुलिस अधीक्षक वृजनारायण सिंह ने सोमवार को बताया कि थाना कोतवाली देहात को यह सूचना प्राप्त होती है कि राजकीय पॉलिटेक्निक कनौरा के एक छात्र ने आत्महत्या कर ली है। इस सूचना पर स्थानीय थाने की टीम मौके कर छानबीन की ,तो यह तथ्य प्रकाश में आया है कि मृतक का नाम सचिन वर्मा पुत्र राजेंद्र वर्मा, निवासी कालूराम पुरवा, लालगंज, जनपद प्रतापगढ़ का रहने वाला है। जो कि राजकीय पॉलिटेक्निक कनौरा के तृतीय वर्ष मैकेनिकल का छात्र है। छात्र की परीक्षा आगामी 13 मई को प्रस्तावित थी। आसपास के लोगों के द्वारा पूछने पर यह बताया गया कि परीक्षा को लेकर छात्र थोड़े तनाव में भी था। मृत्यु के कारणों की जांच की जा रही है। प्रथम दृष्टया यह तथ्य प्रकाश में आ रहा है कि परीक्षा की वजह संभवतः छात्र के द्वारा आत्महत्या किया गया हो। किंतु मूल कारणों को जानने के लिए शव का पंचायतनामा किया जा रहा है, पोस्टमार्टम हेतु भेजा जा रहा है। फील्ड यूनिट की टीम मौके पर है, जांच की जा रही है और इसमें अन्य लोगों से वार्ता भी की जा रही है, साक्ष्य संकलन किया जा रहा है। मौके पर कानून व्यवस्था की कोई समस्या नहीं है, अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

चंदौली वाराणसी के बीच चलती ट्रेन में यात्री की गोली मार कर हत्या,जीआरपी मामले की छानबीन में जुटी

देर रात हुई घटना से यात्रियों में दहशत,एसपी जीआरपी ने भी ली घटना की जानकारी

चंदौली।
उत्तर प्रदेश में वाराणसी और चंदौली जिले के बीच चलती ट्रेन में एक यात्री की गोली मार कर हत्या कर दी गई। रविवार देर रात हुई वारदात की जानकारी पाते ही जीआरपी के एसपी और अन्य अफसर भी वाराणसी जीआरपी थाने में पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली।

मिली जानकारी के अनुसार, गया बिहार के पिपरिया बारचकी क्षेत्र के निवासी दिनेश शाह (42) पुत्र रामवृक्ष शाह अपनी बड़ी बहन और रिश्तेदार के साथ जनपद सीतापुर जाने के लिए गाड़ी संख्या 13151 कोलकाता-जम्मूतवी एक्सप्रेस में सवार हुए। दिनेश बोगी संख्या एस-2 में बैठे थे और उनके परिजन दूसरी बोगी में बैठे थे। रात लगभग 1.35 बजे ट्रेन पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से वाराणसी के लिए रवाना हुई। जक्शन से ट्रेन ब्लॉक हट - बी के समीप से गुजर रही थी तभी किसी अज्ञात बदमाश ने बाथरूम जा रहे दिनेश को गोली मार दी। बोगी में गोली की आवाज सुनकर यात्रियों ने तत्काल इसकी जानकारी रेलवे के रनिंग स्टॉफ को दी। रात्रि 2.42 बजे तक तब ट्रेन वाराणसी जंक्शन (कैंट) पहुंची। यहां जीआरपी ने यात्री के शव को नीचे उतरवाया। वहीं, इस घटना की जानकारी दिनेश के परिजनों को कैंट रेलवे स्टेशन पर हुई तो कोहराम मच गया। एसपी जीआरपी प्रशांत वर्मा, क्षेत्राधिकारी कुंवर प्रभात सिंह एवं आरपीएफ के सहायक सुरक्षा आयुक्त बीपी सिंह ने ट्रेन की बोगी में छानबीन और यात्रियों से भी पूछताछ की। छानबीन के बाद ट्रेन गतंव्य के लिए रवाना हो गई। एसपी जीआरपी प्रशांत वर्मा ने पत्रकारों को बताया कि वारदात से जुड़े सभी पहलुओं की छानबीन हो रही है। आरोपी की तलाश के लिए दो टीमों का गठन किया गया है।
वारदात को पुरानी रंजिश से भी जोड़कर देखा जा रहा है। उधर, सुरक्षा प्रबंधों को धता बताते हुए बदमाश ने वारदात को जिस तरीके से सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया। उसको लेकर रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहा है। उधर,रविवार को ही गाजीपुर ताड़ीघाट पैसेंजर ट्रेन में बदमाशों ने एक यात्री की गोली मारकर हत्या कर दी। पैसेंजर ट्रेन पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन (मुगलसराय) से ताड़ीघाट के लिए रवाना हुई।
ट्रेन कुचमन और सकलडीहा रेलवे स्टेशन के मध्य पहुंची ही थी कि जमानिया गाजीपुर के मंगरू (34) को बदमाशों ने गोली मार दी और शव को हाल्ट बी के पास फेंक कर चलती ट्रेन से कूद कर भाग निकले। इस सनसनीखेज वारदात से रेल यात्रियों में दहशत फैल गई है।

श्रद्धेय अशोक सिंहल हनुमान चालीसा पाठ प्रतियोगिता में विनायक, श्रुति, काजल ने प्राप्त किया प्रथम स्थान

वाराणसी।
वाराणसी में वेद शिक्षा मंदिर नरसिंह मठ सेवा समिति की ओर से आयोजित श्रद्धेय अशोक सिंहल हनुमान चालीसा पाठ प्रतियोगिता का समापन हुआ। प्रतियोगिता में कुल 25 विद्यार्थियों ने भाग लिया और जिसमें प्रथम वर्ग कक्षा 1 से 3 में प्रथम स्थान विनायक शर्मा, वेद शिक्षा मंदिर, द्वितीय- नियति सरीन, वेद शिक्षा मंदिर, तृतीय- उपासना सरीन- वेद शिक्षा मंदिर, द्वितीय वर्ग कक्षा 4 से 5 में प्रथम स्थान श्रुति शर्मा, वेद शिक्षा मंदिर, द्वितीय कृष्णा उपाध्याय, सेंट्रल हिंदू स्कूल तृतीय तेजस शर्मा, वनिता पब्लिक स्कूल, तृतीय वर्ग- कक्षा 6 से 8 प्रथम स्थान काजल पांडेय, सेंट एडमंस कॉन्वेंट द्वितीय समर्थ खन्ना, डब्लू एच स्मिथ स्कूल तृतीय पीहू पांडे सेंट एडमंस कॉन्वेंट एवं विशेष पुरस्कार दधिमती गुरुकुल स्कूल नागौर के छात्र विजय कुमार शर्मा को दिया गया। सभी विजयी प्रतिभागियों को मेडल एवं पुरस्कार प्रदान किया गया तथा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र दिया गया। प्रतियोगिता का प्रारंभ वैदिक मंगलाचरण द्वारा हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मानस मंडल के अध्यक्ष परशुराम उपाध्याय एवं समाज सेवी शिव प्रकाश गुप्ता थे।
प्रतियोगिता का संचालन वेद शिक्षा मंदिर के उप प्रबंधक विकास मेहरा ने तथा धन्यवाद प्रकाश नरसिंह मठ सेवा समिति के संयोजक हरि कृष्ण दास गुजराती सुनील जी ने किया।

वैश्विक नरमी से गिरे खाद्य तेलों के दाम, सोयाबीन-बिनौला में उछाल

विदेशी असर से खाद्य तेल बाजार में उठापटक, किसानों को अच्छे दाम से सोयाबीन रकबा बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह विदेशी बाजारों में खाद्य तेलों के दाम टूटने के बीच देश के तेल-तिलहन बाजार में मिलाजुला रुझान देखने को मिला। जहां सोयाबीन तेल, कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल के दाम गिर गए, वहीं कम उपलब्धता और स्थानीय मांग के चलते सोयाबीन तिलहन और बिनौला तेल में सुधार दर्ज किया गया। महत्वपूर्ण बात यह है कि विदेशी बाजारों में नरमी के बावजूद सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर बने रहे। बाजार विशेषज्ञों के अनुसा सोयाबीन डीगम तेल का दाम बीते सप्ताह 1,345-1,350 डॉलर प्रति टन से घटकर 1,300-1,305 डॉलर प्रति टन पर आ गया, जिसका सीधा असर घरेलू सोयाबीन, सीपीओ और पामोलीन तेलों पर पड़ा। हालांकि, गर्मी में पाम-पामोलीन की औद्योगिक मांग ने इसकी कीमतों में अत्यधिक गिरावट को कुछ हद तक सीमित रखा। इसके विपरीत सोयाबीन के कम स्टॉक और सोयाबीन खल (डीओसी) की मजबूत स्थानीय मांग से सोयाबीन तिलहन के दामों में सुधार आया। इसी तरह, बिनौला तेल भी सीमित उपलब्धता के कारण मजबूत हुआ। आयातित तेलों की नरमी के बावजूद सरसों एवं मूंगफली तेल-तिलहन की कीमतें पिछले सप्ताहांत के स्तर पर स्थिर रहीं। जानकारों का कहना है कि सरकार को मूंगफली के लिए बाजार विकसित करने और खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता बढ़ाने हेतु सख्त कदम उठाने होंगे। किसानों को सोयाबीन के अच्छे दाम मिलने से इस बार इसके रकबे में वृद्धि की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 7,000-7,025 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 14,350 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 2,400-2,500 रुपये और 2,400-2,545 रुपये टिन (15 किलो) पर स्थिर रुख लिए बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 425-425 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 6,950-7,000 रुपये और 6,600-6,675 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।दूसरी ओर, दिल्ली में सोयाबीन तेल 325 रुपये की गिरावट के साथ 15,675 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 275 रुपये की गिरावट के साथ 15,575 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 300 रुपये की गिरावट के साथ 12,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बीते सप्ताहांत मूंगफली तिलहन 6,650-7,125 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 15,750 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,500-2,800 रुपये प्रति टिन पर स्थिरता के रुख के साथ बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये की गिरावट के साथ 13,625 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 50 रुपये घटकर 15,400 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 25 रुपये की गिरावट के साथ 14,275 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बिनौला तेल का दाम 150 रुपये के सुधार के साथ 15,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

पश्चिम एशिया तनाव से पिडिलाइट फिर बढ़ा सकती है उत्पादों के दाम

कच्चे तेल से जुड़े उत्पादों की लागत 40-50 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण कच्चे माल की लागत में भारी बढ़ोतरी के मद्देनजर एडहेसिव और निर्माण रसायन बनाने वाली कंपनी पिडिलाइट इंडस्ट्रीज कीमतों में एक और दौर की वृद्धि पर विचार कर रही है। कंपनी के एक अे धिकारी ने बताया कि कच्चे तेल से जुड़े उत्पादों की लागत भारित औसत आधार पर 40-50 प्रतिशत तक बढ़ गई है। यह जानकारी कंपनी के तिमाही नतीजों की घोषणा के बाद दी गई। पिडिलाइट इंडस्ट्रीज, जो फेविकोल, डॉ. फिक्सिट, फेवीक्विक और एम-सील जैसे लोकप्रिय ब्रांडों की मालिक है, पहले ही अप्रैल और मई में दो बार कीमतों में वृद्धि कर चुकी है, जिसमें फेविकोल की कीमतों में 12-15 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी शामिल है। अे धिकारी ने कहा कि कंपनी अपनी नीति के अनुरूप लागत वृद्धि को चरणबद्ध तरीके से बाजार पर डालेगी ताकि 20-24 प्रतिशत के कर-पूर्व लाभ (एबिटा) मार्जिन दायरे को बनाए रखा जा सके। उन्होंने उम्मीद जताई कि पश्चिम एशिया संकट का समाधान इस महीने के भीतर निकल सकता है, जिससे उपभोक्ता मांग पर बड़ा असर नहीं पड़ेगा। हालांकि, यदि संघर्ष लंबा खिंचता है, तो महंगाई मांग को प्रभावित कर सकती है। कंपनी ने मौजूदा तिमाही के लिए आपूर्ति सुनिश्चित कर ली है और मांग सृजन पर ध्यान केंद्रित कर रही है। नए वित्त वर्ष में मांग के रुझान उत्साहजनक बने हुए हैं, जिसमें शहरी और ग्रामीण दोनों बाजारों में मजबूत खपत देखी गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में वृद्धि अब भी शहरी बाजारों से बेहतर रही है।

सेंसेक्स की शीर्ष 4 कंपनियों का 1 लाख करोड़ से अधिक का मार्केट कैप घटा

भारती एयरटेल, टीसीएस एसबीआई को बड़ा नुकसान, रिलायंस व एचडीएफसी बैंक ने दर्ज की अच्छी बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में सेंसेक्स और निफ्टी ने भले ही सीमित दायरे में बढ़त दर्ज की हो, लेकिन देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई है। इस दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ा, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक जैसे दिग्गजों ने अच्छा प्रदर्शन कर अपनी स्थिति मजबूत की। समीक्षाधीन सप्ताह में भारती एयरटेल, एसबीआई, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के बाजार पूंजीकरण में सामूहिक रूप से 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इस सूची में भारतीय स्टेट बैंक को सर्वाधिक 44,722.34 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जिससे इसका मार्केट कैप घटकर 9,41,107.62 करोड़ रुपये रह गया। भारती एयरटेल का मूल्यांकन 31,167.1 करोड़ रुपये घटकर 11,18,055.03 करोड़ रुपये पर आ गया, वहीं टीसीएस ने 28,456.26 करोड़ रुपये गंवाए, जिससे उसकी बाजार हैसियत 8,66,477.69 करोड़ रुपये रह गई। एलएंडटी को भी 5,371.84 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इसके विपरीत रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार मूल्यांकन में कुल 46,685.21 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। इस दौरान एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 15,425.09 करोड़ रुपये बढ़कर 12,02,699.26 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जबकि बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 11,486.89 करोड़ रुपये बढ़कर 5,94,610.02 करोड़ रुपये हो गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर ने 8,763.97 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की और रिलायंस इंडस्ट्रीस का बाजार पूंजीकरण 6,563.28 करोड़ रुपये बढ़कर 19,42,866.58 करोड़ रुपये रहा, जिससे वह शीर्ष स्थान पर बरकरार रही। एलआईसी और आईसीआईसीआई बैंक ने भी क्रमशः 2,751.37 करोड़ रुपये और 1,694.61 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी देखी।

भारत में तोहफों का नया दौर, डिजिटल गिफ्टिंग बनी सबकी पसंद

स्मार्टफोन और यूपीआई के दौर में बढ़ा ई-गिफ्ट वाउचर और डिजिटल कार्ड का चलन

नई दिल्ली ।

भारत में खुशियों और त्योहारों पर तोहफे देने की पुरानी परंपरा अब एक नए डिजिटल स्वरूप में ढल रही है। स्मार्टफोन और यूपीआई के बढ़ते चलन ने लोगों की खरीदारी और गिफ्टिंग की आदतों में बड़ा बदलाव ला दिया है। अब लोग भौतिक वस्तुओं के बजाय ई-गिफ्ट वाउचर और डिजिटल कार्ड भेजना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। भारत में डिजिटल गिफ्टिंग अब केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि हर किसी की पहली पसंद बन गई है। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग सुविधा को सबसे ऊपर रखते हैं। डिजिटल गिफ्टिंग ने तोहफे की पसंद-नापसंद की टेंशन खत्म कर दी है। अब आप किसी को उनकी पसंद के ब्रांड का वाउचर भेजकर उन्हें अपनी मर्जी से खरीददारी का मौका देते हैं। इससे न सिर्फ तोहफा देने वाले की मेहनत बचती है, बल्कि आखिरी मिनट में भी तुरंत गिफ्ट भेजने की सुविधा मिलती है और कूरियर के झंझट से भी मुक्ति मिलती है।

तेल कीमतें रहेंगी ऊंची, भारत की जीडीपी घटेगी और महंगाई बढ़ेगी एडीबी

एशियाई विकास बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री ने 2026 में 96 डॉलर/बैरल का अनुमान जताया

नई दिल्ली ।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के मुख्य अर्थशास्त्री ने चेतावनी दी है कि पश्चिम एशिया संकट के लंबे समय तक खिंचने से कच्चे तेल के दाम ऊंचे बने रहेंगे, जिसका सीधा असर भारत सहित एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ेगा। उन्होंने भारत की वृद्धि दर में कमी और महंगाई में तीव्र वृद्धि का अनुमान जताया है। एडीबी के मुख्य अर्थशास्त्री ने एक साक्षात्कार में कहा कि कच्चे तेल की कीमतें 2026 में औसतन 96 डॉलर प्रति बैरल और 2027 में 80 डॉलर प्रति बैरल रह सकती हैं, जो लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर बने रहने का संकेत है। उन्होंने बताया कि हाजिर बाजार में कमी के चलते निकट वायदा कीमतें भी ऊंची बनी हुई हैं। भारत पर पश्चिम एशिया संकट के असर पर उन्होंने कहा कि इससे देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 0.6 प्रतिशत घटकर 6.3 प्रतिशत रह जाएगी। साथ ही चालू वित्त वर्ष में महंगाई भी 2.4 प्रतिशत बढ़कर 6.9 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। भारत का आयातित तेल और गैस पर अत्यधिक निर्भरता इस बढ़ी हुई महंगाई का प्रमुख कारण है, हालांकि अगले वित्तीय वर्ष में वृद्धि में सुधार की उम्मीद है। क्षेत्रीय स्तर पर एडीबी ने 2026 के लिए एशिया-प्रशांत की वृद्धि दर का अनुमान 5.1 प्रतिशत से घटाकर 4.7 प्रतिशत कर दिया है। एल नीनो के संभावित प्रभाव पर, पार्क ने खाद्य उत्पादन, विशेषकर चावल की वैश्विक व्यापार में भारत की भूमिका पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उर्वरक की बढ़ती कीमतें भी पैदावार और अंततः खाद्य कीमतों को प्रभावित कर सकती हैं, जिससे आपूर्ति में कमी की चुनौती बढ़ सकती है।

भू-राजनीति की गिरफ्त में शेयर बाजार अमेरिका-ईरान तनाव और कच्चा तेल तय करेगा चाल

रुपए-डॉलर की चाल, विदेशी निवेशकों का रुख, महंगाई के आंकड़े और तिमाही नतीजे भी देंगे बाजार को दिशा

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की दिशा मुख्य रूप से अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी। विश्लेषकों का मानना है कि भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के प्रति बाजार बेहद संवेदनशील रहेगा, जबकि रुपये-डॉलर की चाल, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफआईआई) की गतिविधियां और आगामी महंगाई के आंकड़े भी बाजार के रुख को प्रभावित करेंगे। कई प्रमुख कंपनियों के तिमाही नतीजों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। बाजार `` विश्लेषकों का कहना है` कि बाजार इस सप्ताह भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील रहेगा। निवेशकों का ध्यान अमेरिका-ईरान से संबंधित हर गतिविधि पर केंद्रित रहेगा। उन्होंने जोर दिया कि ब्रेंट कच्चे तेल के दाम बाजार की दिशा निर्धारित करने में अहम भूमिका निभाएंगे। यदि कच्चे तेल की कीमतें 90 डॉलर प्रति बैरल से नीचे बनी रहती हैं या तनाव कम करने की दिशा में कोई प्रगति होती है, तो जोखिम वाले निवेश माध्यमों में राहत भरी तेजी देखी जा सकती है। इसके विपरीत यदि तनाव बढ़ता है, तो बाजार पर दबाव बना रह सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस सप्ताह जारी होने वाले महंगाई के आंकड़े भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण होंगे। बाजार` विशेषज्ञों के मुतो बिक भारत के अप्रैल महीने के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ब्याज दर नीति का संकेत देंगे। वहीं अमेरिका के सीपीआई और उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) आंकड़े फेडरल रिजर्व की संभावित ब्याज दर कटौती, बॉन्ड प्रतिफल और वैश्विक जोखिम धारणा को प्रभावित कर सकते हैं। इस बीच केनरा बैंक, टाटा पावर, भारती एयरटेल, डीएलएफ, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और जेएसडब्ल्यू स्टील जैसी प्रमुख कंपनियां सप्ताह के दौरान अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी, जो शेयर और क्षेत्र आधारित गतिविधियों को प्रभावित करेंगी। एफआईआई की निकासी और बाजार का रुख बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 414.69 अंक (0.53 प्रतिशत) मजबूत हुआ था, जबकि एनएसई निफ्टी में 178.6 अंक (0.74 प्रतिशत) का लाभ दर्ज किया गया था। हालांकि, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफआईआई) भारतीय बाजारों से लगातार निकासी कर रहे हैं। इस महीने अब तक एफपीआई भारतीय शेयर बाजारों से 14,231 करोड़ रुपये निकाल चुके हैं। बाजार` विशेषज्ञों का कहना है ` कि आने वाले दिनों में बाजार की दिशा मुख्य रूप से भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों, रुपये की चाल और विदेशी निवेशकों के रुख पर निर्भर करेगी। साथ ही, चौथी तिमाही के नतीजों का अंतिम चरण शेयर और क्षेत्र आधारित गतिविधियों को प्रभावित करेगा, जिससे बाजार व्यापक दायरे में कारोबार कर सकता है।

अगले हफ्ते 12 दिग्गज कंपनियां बांटेगी डिविडेंड एक शेयर पर 40 तक कमाई का मौका

बैंकिंग, रियल एस्टेट, एफएमसीजी समेत विभिन्न सेक्टर की कंपनियों ने की घोषणा

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए अगला सप्ताह कमाई के लिहाज से बेहद शानदार रहने वाला है। अगर आप भी स्टॉक मार्केट में निवेश करते हैं और केवल शेयरों के भाव बढ़ने से ही नहीं, बल्कि कंपनी के मुनाफे में हिस्सेदारी यानी 'डिविडेंड' से भी पैसा कमाना चाहते हैं, तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। अगले हफ्ते देश की 10 से अधिक दिग्गज कंपनियां अपने शेयरधारकों को डिविडेंड का बड़ा तोहफा देने जा रही हैं। डिविडेंड वह अतिरिक्त आय होती है जो कंपनियां अपने मुनाफे का एक हिस्सा अपने निवेशकों को नकद के रूप में देती हैं। अगले सप्ताह की शुरुआत यानी सोमवार को दो कंपनियां डिविडेंड के लिए तैयार हैं। गोल्ड लोन सेक्टर की दिग्गज कंपनी मनाप्पुरम फाइनेंस अपने निवेशकों को प्रति शेयर 0.50 रुपये का अंतरिम डिविडेंड देने जा रही है। इसी दिन पीएई लिमिटेड भी 0.20 रुपये का फाइनल डिविडेंड देगी। मंगलवार को एफएमसीजी सेक्टर की बड़ी कंपनी गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स की बारी है। कंपनी ने अपने निवेशकों के लिए प्रति शेयर 5.00 रुपये का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है। वहीं, बुधवार को एनआरबी बियरिंग्स लिमिटेड अपने शेयरधारकों को प्रति शेयर 2.25 रुपये का अंतरिम डिविडेंड देगी। रियल एस्टेट सेक्टर की दिग्गज कंपनी ओबेरॉय रियल्टी गुरुवार को 2.00 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड देने जा रही है। सप्ताह का सबसे बड़ा दिन शुक्रवार रहने वाला है, क्योंकि इस दिन एक साथ कई बड़ी कंपनियां अपने डिविडेंड की एक्स-डेट मनाएंगी। निवेश और वेल्थ मैनेजमेंट सेक्टर की कंपनी आनंद राठी वेल्थ अपने निवेशकों को प्रति शेयर 7.00 रुपये का भारी-भरकम फाइनल डिविडेंड देने जा रही है। वहीं, हाउसिंग फाइनेंस सेक्टर की कंपनी एप्टस वैल्यू हाउसिंग भी 2.50 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड देगी। होटल और एनर्जी सेक्टर में भी मुनाफे की बारिश होने वाली है। एचबीजी होटल्स लिमिटेड प्रति शेयर 0.15 रुपये का अंतरिम डिविडेंड देगी, जबकि इंडियन एनर्जी एक्सचेंज ने

2.00 रुपये प्रति शेयर के फाइनल डिविडेंड का ऐलान किया है। इसके अलावा, स्नैक्स बनाने वाली कंपनी गोपाल स्नैक्स लिमिटेड भी शुक्रवार को अपनी एक्स-डेट पर होगी, हालांकि कंपनी ने इसके लिए राशि का खुलासा अभी नहीं किया है। निवेशकों के लिए यह उन कंपनियों में निवेश बनाए रखने या रिसर्च के बाद नए निवेश करने का एक बेहतरीन अवसर हो सकता है, जो नियमित रूप से अपने मुनाफे में हिस्सेदारी देती हैं।

नाल्को को पश्चिम एशिया तनाव से झटका, निर्यात प्रभावित, वैश्विक कीमतें गिरीं

कंपनी का 40-50 फीसदी एल्युमिना निर्यात बाधित; हाजिर कीमत 305-310 डॉलर प्रति टन हुई

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की नेशनल एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को) ने कहा है कि पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण उसके एल्युमिना निर्यात को गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। कंपनी के कुल निर्यात का लगभग 40-50 प्रतिशत हिस्सा इस क्षेत्र को जाता था, जिस पर सीधा असर पड़ा है, साथ ही वैश्विक हाजिर बाजार में एल्युमिना की कीमतें भी दबाव में आ गई हैं। नाल्को के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि पश्चिमी एशिया को होने वाले निर्यात में आई बाधाओं और वैश्विक स्तर पर निर्यात गंतव्यों में बदलाव की वजह से हाजिर बाजार में एल्युमिना की कीमतें गिरकर 305-310 डॉलर प्रति टन पर आ गई हैं। कंपनी के लिए यह एक महत्वपूर्ण झटका है, क्योंकि क्षेत्र में जारी तनाव ने उसकी आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित किया है। हालांकि, कंपनी अब इंडोनेशिया और अन्य बाजारों से नए ऑर्डर प्राप्त कर रही है, जिससे इस संकट के कुछ हद तक प्रभाव को कम करने में मदद मिली है। नाल्को ने चेतावनी दी है कि जब तक पश्चिम एशिया के स्मेल्टर पूरी क्षमता से काम करना शुरू नहीं कर देते, तब तक वैश्विक हाजिर एल्युमिना कीमतों पर दबाव बना रह सकता है।

विदेशी निवेशकों ने मई में भारतीय बाजार से 14,231 लाख करोड़ निकाले

वैश्विक अनिश्चितता, बढ़ती महंगाई और कमजोर रुपया मुख्य कारण, 2025 का आंकड़ा भी पीछे छूटा

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की निकासी का सिलसिला मई माह में भी जारी है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच एफपीआई ने इस महीने अब तक भारतीय इक्विटी बाजार से शुद्ध रूप से 14,231 करोड़ रुपये निकाले हैं। इसके साथ ही, 2026 में एफपीआई की भारतीय शेयर बाजार से कुल बिकवाली का आंकड़ा बढ़कर दो लाख करोड़ रुपये के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर गया है, जो निवेशकों के लिए चिंता का विषय है। यह आंकड़ा पिछले वर्ष 2025 में हुई कुल 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से कहीं अधिक है, जो मौजूदा वर्ष में विदेशी निवेशकों की बढ़ती सतर्कता को दर्शाता है। फरवरी महीने को छोड़कर, 2026 के सभी महीनों में एफपीआई शुद्ध बिकवाल रहे हैं। साल की शुरुआत में जनवरी में उन्होंने 35,962 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी।

हालांकि, फरवरी में 22,615 करोड़ रुपये का निवेश देखा गया, जो पिछले 17 महीनों में सबसे अधिक था। यह सकारात्मक रुझान मार्च में उलट गया, जब विदेशी निवेशकों ने रिकॉर्ड 1.17 लाख करोड़ रुपये की भारी-भरकम निकासी की। अप्रैल में भी यह सिलसिला जारी रहा और उन्होंने 60,847 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। मई में अब तक हुई 14,231 करोड़ रुपये की बिकवाली इस रुझान की पुष्टि करती है।

बाजार के जानकारों के अनुसार एफपीआई की इस लगातार बिकवाली की मुख्य वजह वैश्विक वृहद आर्थिक अनिश्चितता है। विदेशी निवेशक विशेष रूप से बढ़ती महंगाई, ब्याज दरों के भविष्य और भू-राजनीतिक जोखिमों को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने यह भी बताया कि भारतीय रुपये पर दबाव से विदेशी निवेशकों के डॉलर-समायोजित प्रतिफल पर नकारात्मक असर पड़ रहा है, जिससे वे भारतीय बाजार से पूंजी निकाल रहे हैं।

हालांकि उनका कहना है कि समग्र बिकवाली के बावजूद, एफपीआई चुनिंदा क्षेत्रों जैसे बिजली, निर्माण और पूंजीगत सामान में अभी भी निवेश कर रहे हैं, जो इन क्षेत्रों की दीर्घकालिक संभावनाओं में उनके विश्वास को दर्शाता है।

बीते सप्ताह 24 कैरेट सोना 1,270 और चांदी 10,000 रुपए हुई महंगी

नई दिल्ली ।

देश में सोने और चांदी की कीमतों ने इस सप्ताह फिर आसमान छू लिया है। बीते एक हफ्ते में 24 कैरेट सोना करीब 1,270 रुपये महंगा होकर 10 मई, 2026 को राजधानी दिल्ली में 1,52,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं 22 कैरेट सोने के दाम में भी लगभग 1,300 रुपये की तेजी आई है। चांदी की कीमतों में भी जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया, जो एक हफ्ते में 10,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक बढ़ गई है। राजधानी दिल्ली में 10 मई, 2026 को 22 कैरेट सोना 1,39,800 रुपये और 18 कैरेट सोना 1,14,410 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिका। हालांकि, शुक्रवार 8 मई को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने के दाम में हल्की गिरावट भी देखी गई थी, लेकिन यह साप्ताहिक बढ़ोतरी को रोक नहीं पाई। देश के प्रमुख शहरों में कीमतों में थोड़ा अंतर रहा, जहां चेन्नई में 24 कैरेट सोने का भाव सर्वाधिक 1,54,370 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया। मुंबई, कोलकाता और हैदराबाद में 24 कैरेट सोना 1,52,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। सोने की तरह चांदी भी इस सप्ताह महंगी हुई है, जिसकी कीमत 10 मई को 2,75,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई। उल्लेखनीय है कि जनवरी में चांदी ने 4 लाख रुपये प्रति किलोग्राम का रिकॉर्ड स्तर भी छुआ था, जो इसकी कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि को दर्शाता है। जानकारों के अनुसार, सोने-चांदी की कीमतों में यह तेजी वैश्विक आर्थिक स्थिति, डॉलर की मजबूती, ब्याज दरों में बदलाव और निवेशकों की बढ़ती मांग जैसे अंतरराष्ट्रीय कारकों का परिणाम है, जो घरेलू बाजार को भी प्रभावित कर रहे हैं।

वाहन कबाड़ नीति में फंसा ऑटो उद्योग, 70 फीसदी लक्ष्य से चूके विनिर्माता

पर्यावरण मंत्रालय की अव्यावहारिक नीति पर उद्योग जगत ने उठाए सवाल

नई दिल्ली ।

भारत की वाहन कंपनियों ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित वाहन कबाड़ (स्क्रैप) से जुड़े इस्पात समतुल्य दायित्वों को पूरा करने में करीब 70 प्रतिशत की भारी कमी दर्ज की है। उद्योग जगत ने इसके लिए पर्यावरण मंत्रालय की अव्यावहारिक नीति को जिम्मेदार ठहराया है, खासकर अन्य इस्पात स्क्रैप सामग्री के प्रावधान को नियमों से हटाने को। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने जनवरी 2025 में 'पर्यावरण संरक्षण (वाहन को चलाने की अवधि की समाप्ति) नियम, 2025' अधिसूचित किए थे, जिसके तहत वाहन विनिर्माताओं को विस्तारित उत्पादक दायित्व (ईपीआर) के तहत स्क्रैप किए गए पुराने वाहनों से प्राप्त इस्पात के आधार पर दायित्व पूरा करना था। हालांकि, मंत्रालय ने मार्च 2026 में एक मसौदा संशोधन में अन्य इस्पात स्क्रैप सामग्री के प्रावधान को हटा दिया, जिससे केवल पुराने वाहनों से प्राप्त इस्पात ही ईपीआर प्रमाणपत्र के लिए मान्य रहा। उद्योग अधिकारियों के अनुसार, इस बदलाव ने लक्ष्य हासिल करना लगभग असंभव बना दिया।

वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनियों को 15-20 वर्ष पुराने निजी और वाणिज्यिक वाहनों के इस्पात समतुल्य का कम से कम आठ प्रतिशत कबाड़ में बदलना था। इसका अर्थ था कि लगभग 7.62 लाख वाहनों को कबाड़ किया जाना आवश्यक था, जबकि आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, केवल 2.42 लाख पुराने वाहन ही कबाड़ केंद्रों पर पहुंचे। यह लगभग 5.2 लाख वाहनों की कमी को दर्शाता है। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम ने भी मंत्रालय को पत्र लिखकर पुराने वाहनों की सीमित उपलब्धता पर चिंता जताई है। उद्योग ने इस नीति को अव्यावहारिक बताया है और शुरुआती वर्षों में अन्य इस्पात स्क्रैप के उपयोग की अनुमति देने का सुझाव दिया है। उद्योग अधिकारियों का कहना है कि भविष्य में जब ईपीआर लक्ष्य 13 प्रतिशत और फिर 18 प्रतिशत तक बढ़ेंगे, तो यह कमी और भी गंभीर हो सकती है। उद्योग ने इस नीति की तत्काल समीक्षा की मांग की है।

टाइटन का गोल्ड एक्सचेंज कार्यक्रम, तनाव के बावजूद सोने की आपूर्ति सुरक्षित

कंपनी ने भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद अल्पकालिक अवधि में आपूर्ति की चिंता न होने की बात कही

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति श्रृंखला की चिंताओं के बावजूद, प्रमुख आभूषण कंपनी टाइटन ने घोषणा की है कि उसे अल्पकालिक अवधि में सोने की आपूर्ति को लेकर कोई चिंता नहीं है। कंपनी अपने सफल गोल्ड एक्सचेंज कार्यक्रम और वैकल्पिक आपूर्ति योजनाओं के चलते यह आश्वासन दे रही है, जिसने जोखिमों को कम करने में मदद की है। इसके साथ ही टाइटन ने मार्च तिमाही में जबरदस्त वित्तीय परिणाम भी दर्ज किए हैं। कंपनी के एक प्रमुख अधिकारी ने बताया कि उनका गोल्ड एक्सचेंज कार्यक्रम पिछले वर्ष की तीसरी तिमाही से बहुत सफलतापूर्वक चल रहा है, जिससे आभूषण कारोबार के लिए सोने की उपलब्धता में लचीलापन बढ़ा है।

जरूरत पड़ने पर इस कार्यक्रम को और बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि टाइटन, तनिष्क और कैरटलेन के लिए अल्पकालिक अवधि में सोने की आपूर्ति को लेकर कोई चिंता नहीं है। हालांकि, पश्चिम एशिया में तनाव, आयात लाइसेंस संबंधी देरी और सीमा शुल्क की सुस्ती जैसी चुनौतियों के बावजूद कंपनी ने इन मुद्दों में सुधार का संकेत दिया। टाइटन ने वित्त वर्ष 2025-26 में 75,000 करोड़ रुपए से अधिक का कुल कारोबार लक्ष्य रखा है। मार्च तिमाही में कंपनी का एकीकृत मुनाफा 35.36 प्रतिशत बढ़कर 1,179 करोड़ रुपए हो गया, जबकि बिक्री 48.28 प्रतिशत बढ़कर 20,607 करोड़ रुपए रही। आभूषण प्रभाग के सीईओ अरुण नारायण ने बताया कि एक्सचेंज अभियान से विशेष रूप से शादी-विवाह और पुराने आभूषण बदलकर नए लेने वाले ग्राहकों के बीच खरीद में वृद्धि हुई है। मार्च तिमाही में खरीदारों की संख्या में 8 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी ने गोल्ड लोन की लागत बढ़ने की संभावना से भी इनकार किया है, क्योंकि ऋण अवधि को 180 दिन से बढ़ाकर 270 दिन कर दिया गया है।

उर्विल पटेल का अर्धशतक, चेन्नई ने लखनऊ सुपर जाइंट्स को 5 विकेट से हराया

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स (CSK) ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में रविवार को यहां लखनऊ सुपरजायंट्स (LSG) को पांच विकेट से हराकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया। उर्विल पटेल ने 13 गेंद में अर्धशतक पूरा कर भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के रिकॉर्ड की बराबरी की। उन्होंने 23 गेंद में आठ छक्कों और दो चौकों की मदद से 65 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली। जोश इंग्लिस की 33 गेंद में 85 रन की आक्रामक पारी के बावजूद सुपरकिंग्स ने जैमी ओवरटन की शानदार गेंदबाजी के बूते सुपरजायंट्स को आठ विकेट पर 203 रन पर रोकने के बाद 19.2 ओवर में पांच विकेट पर 208 रन बनाकर जीत दर्ज की।

टीम 11 मैचों में छठी जीत के बाद 12 अंक के साथ तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई, जबकि अंतिम पायदान पर काबिज सुपर जायंट्स की आठवीं हार के बाद प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें खत्म हो गईं। उर्विल के अलावा कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने 28 गेंद में 42 रन का योगदान दिया। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 34 गेंद में 81 रन जोड़े। गायकवाड़ ने इससे पहले संजू सैमसन (14 गेंद में 28 रन) के साथ 22 गेंद में 45 रन की साझेदारी कर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। शिवम दुबे (नाबाद 15) ने एडेन मारक्रम के खिलाफ अंतिम ओवर में लगातार दो छक्के जड़े, जिससे सुपरकिंग्स ने पहली बार 200 से अधिक का लक्ष्य हासिल किया। प्रशांत वीर 17 रन पर नाबाद रहे।

इंग्लिस ने अपनी पारी में छह छक्के और 10 चौके जड़कर सुपरजायंट्स का स्कोर नौवें ओवर के बाद 112 रन तक पहुंचा दिया था। ओवरटन की अगुवाई में गेंदबाजों ने 10वें से 15वें ओवर के बीच 35 रन के अंदर चार विकेट झटककर रनगति पर अंकुश लगा दिया। ओवरटन ने चार ओवर में 36 रन देकर तीन विकेट लिए, जिसमें इंग्लिस का विकेट भी शामिल था। नूर अहमद ने चार ओवर में 24 रन देकर एक विकेट लिया, जबकि अंशुल कंबोज को दो विकेट मिले लेकिन उन्होंने 47 रन खर्च किए। आखिरी ओवरों में शाहबाज अहमद (नाबाद 43) और हिम्मत सिंह (17) ने सातवें विकेट के लिए 32 गेंद में 50 रन की साझेदारी कर बीच के ओवरों के नुकसान की भरपाई की। शाहबाज ने 25 गेंद की नाबाद पारी में तीन चौके और इतने ही छक्के लगाए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए सैमसन और गायकवाड़ ने टीम को तेज शुरुआत दिलाई। सैमसन कुछ आकर्षक शॉट खेलने के बाद चौथे ओवर में राठी की गेंद पर आउट हो गए। इसके बाद उर्विल पटेल ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए पावरप्ले में ही मैच का रुख पलट दिया। आवेश खान के खिलाफ लगातार तीन छक्के जड़ने के बाद राठी तीन छक्के और चौका लगाकर पावरप्ले में सुपरकिंग्स के स्कोर को एक विकेट पर 97 रन तक पहुंचा दिया। उन्होंने आक्रामक तेवर जारी रखते हुए शमी के खिलाफ छक्का लगाने के बाद एक रन साथ 13 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा कर अपनी इस उपलब्धि को अपने पिता को समर्पित किया। उन्होंने जेब से एक कागज निकाला, जिस पर लिखा था, 'यह आपके लिए है पापा।'

राठी ने आसान कैच टपकाकर उन्हें जीवनदान दिया लेकिन वह इसका फायदा उठाने में नाकाम रहे।। उन्होंने आवेश खान की गेंद पर कैच देकर अपना विकेट गंवा दिया। सुपरजायंट्स के गेंदबाजों ने इसके बाद रनगति पर अंकुश लगाना शुरू किया और शाहबाज ने गायकवाड़ को बोल्ड कर बड़ी सफलता हासिल की। कार्तिक शर्मा (20) और डेवाल्ड ब्रेविस (10) सहज नजर नहीं आए। जरूरी रनगति के बढ़ने के साथ ही ब्रेविस राठी की गेंद पर गच्चा खाकर बोल्ड हो गए। आवेश ने अगले ओवर की पहली गेंद पर कार्तिक को पवेलियन की राह दिखा दी। दो गेंद पर दो विकेट के साथ सुपरजायंट्स ने मैच में अच्छी वापसी की, लेकिन इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर आये प्रशांत ने 18वें ओवर में प्रिंस के खिलाफ छक्का जड़ा। अगले ओवर में आवेश की गेंद पर उन्हें लगातार दो जीवनदान मिले। राठी और निकोल्स पूरन ने उनका कैच टपका दिया। इस बल्लेबाज ने छक्का जड़कर इसका जश्न मनाया, जिससे टीम को आखिरी ओवर में 10 रन की जरूरत थी।

क्रीज पर बाएं हाथ के बल्लेबाजों की मौजूदगी के कारण पंत ने शाहबाज की जगह गेंद मारक्रम को सौंपी, लेकिन दुबे के दो गगनचुंबी छक्कों के साथ मैच खत्म किया। पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर इंग्लिस ने अकील हुसैन के खिलाफ साइट स्क्रीन के ऊपर से छक्का जड़ने के बाद मुकेश चौधरी और कंबोज के खिलाफ सहजता से बड़े शॉट खेलते हुए 3.4 ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा कर दिया। यह सुपरजायंट्स का सबसे तेज अर्धशतक है। इंग्लिस ने इन दोनों तेज गेंदबाजों के खिलाफ रिवर्स स्कूप पर दो कमाल के छक्के लगाए। उन्होंने 18 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। कंबोज ने मिचेल मार्श को आउट कर 31 गेंद में 77 रन की साझेदारी को तोड़ा। इस साझेदारी में मार्श का योगदान 10 गेंद में 10 रन का था।

नूर ने पावरप्ले के बाद निकोल्स पूरन (एक) का अपनी फिरकी में फंसाकर कैच कराया। पावरप्ले में सुपरजायंट्स ने इस सत्र का अपना सर्वोच्च स्कोर एक विकेट पर 91 रन बना लिए। ओवरटन के खिलाफ 10वें ओवर में इंग्लिस एक बार फिर स्कूप करने की कोशिश में विकेटकीपर सैमसन को कैच दे बैठे। कप्तान ऋषभ पंत (15) का खराब फॉर्म जारी रहा और वह इसी ओवर में गेंद को विकेटों पर खेल गए। टीम अभी इन झटकों से उबरी भी नहीं थी कि ब्रेविस ने बाउंड्री के बाउंड्री के पास से सीधे विकेटों पर थ्रो कर मारक्रम (छह) को रन आउट कर दिया। अक्षत रघुवंशी (18) ओवरटन का तीसरा शिकार बने। हिम्मत ने क्रीज पर आते ही छक्का जड़कर आत्मविश्वास दिखाया, वहीं एक छोर से संभलकर खेलने के बाद शाहबाज ने 19वें ओवर में ओवरटन के खिलाफ दो चौके और एक छक्का जड़कर 17 रन बटोरे इस गेंदबाज के आंकड़े खराब किये। इस बायें हाथ के बल्लेबाज पारी की आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर टीम के स्कोर को 200 रन के पार पहुंचा दिया।

आईपीएल अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुंची गुजरात टाइटंस

जयपुर (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स को 77 रनों से हराकर आईपीएल के 19 वें सत्र में लगातार चौथी जीत के साथ ही अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। यह गुजरात की रनों को देखते हुए आईपीएल में अब तक की सबसे बड़ी जीत है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 229 रन बनाये। जिसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान की टीम 16.3 ओवर में ही केवल 152 रनों पर ही सिमट गयी।

इस मैच में शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने पहले विकेट के लिए 118 रन बनाये। सुदर्शन ने 36 गेंदों में 55 रन बनाए, जबकि शुभमन ने 44 गेंदों पर 84 रन बनाये। वहीं अंत में, वॉशिंगटन सुंदर ने 20 गेंदों में नाबाद 37 रन और राहुल तेवतिया ने नाबाद 14 रन बनाकर टीम को 229 के लक्ष्य तक पहुंचाया। गुजरात टाइटंस की ओर से बृजेश शर्मा ने सबसे अधिक 2 विकेट लिए।

इसके बाद 230 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। यशस्वी जायसवाल सिर्फ 3 रन बनाकर सस्ते में पवेलियन लौट गए। वैभव सूर्यवंशी 36 रन पर ही आउट हो गये। ध्रुव जुरेल 24 और शिमरोन हेटमायर 6 रनों पर ही आउट हो गये। रवींद्र जडेजा ने 25 गेंदों में 38 रन बनाये। शुभम दुबे 15 और जोफ्रा आर्चर 5 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। दासुन शनाका ने 16 रन बनाये।

दूसरी ओर गुजरात से राशिद खान ने 33 रन देकर 4 विकेट लिए। जेसन होल्डर ने भी कमाल की गेंदबाजी करते हुए 2.3 ओवर में महज 12 रन खर्च कर 3 विकेट लिए। वहीं कगिसो रबाडा को दो और सिराज को एक विकेट मिला। यह गुजरात टाइटंस की रनों के हिसाब से आईपीएल में सबसे बड़ी जीत है, जिसने उनके 2023 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 62 रनों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। वहीं, राजस्थान रॉयल्स को यशस्वी जायसवाल की कप्तानी में अपनी चौथी सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ ही गुजरात 11 मैचों में 14 अंक लेकर दूसरे स्थान पर आ गयी है, जबकि राजस्थान को 11 मैचों में अपनी 5वीं हार झेलनी पड़ी और वह अंक तालिका में वह 5वें पायदान पर फिसल गई है। यह गुजरात की इस सत्र की सातवीं जीत थी। सनराइजर्स हैदराबाद 14 अंक और बेहतर रन रेट होने के कारण पहले स्थान पर है, वहीं पंजाब किंग्स 13 अंक लेकर तीसरे जबकि रॉयल चैलेंजर्स और राजस्थान रॉयल्स 5-5 अंक लेकर चौथे और पांचवे नंबर पर है।

शुभमन लगातार सात आईपीएल सत्र में 400 रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बने

जयपुर (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) इतिहास में एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। शुभमन ने इस मैच में 44 गेंदों पर ही 84 रनों की पारी के साथ ही अपने 400 आईपीएल रन पूरे किये। इसी के साथ ही शुभमन लगातार सात आईपीएल सीजन में 400 या उससे अधिक रन बनाने वाले विश्व के केवल तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। शुभमन ने साल 2020 के सत्र से ही लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं साल 2026 के सत्र में भी यह सिलसिला बना रहा। उन्होंने साल 2020 और 2021 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से खेलते हुए ये उपलब्धि हासिल की थी। इसके बाद साल 2022 में गुजरात टाइटंस से जुड़ने के बाद से ही वह लगातार रन बनाते आये हैं। आईपीएल में उनसे पहले केवल दो खिलाड़ियों के नाम ही ये रिकार्ड है।

वहीं इससे पहले सुरेश रैना ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से साल 2008 से 2014 तक लगातार सात आईपीएल सीजन में 400 से अधिक रन बनाए थे। रैना ने इस दौरान सीएसके के आधार बने रहे। उनके बाद सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने भी यह रिकार्ड अपने नाम किया। धवन ने साल 2016 से 2022 तक लगातार सात आईपीएल सत्र में 400 या उससे अधिक रन बनाए। इस अवधि में उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद (2016-2018), दिल्ली कैपिटल्स (2019-2021) और पंजाब किंग्स (2022) का प्रतिनिधित्व करते हुए जमकर रन बनाये। अब शुभमन भी इस विशेष क्लब में शामिल हो गये हैं। गिल की व्यक्तिगत उपलब्धियों के साथ-साथ, उनकी कप्तानी में गुजरात टाइटंस ने इस मैच में रॉजस्थान रॉयल्स को 77 रनों से हरा दिया।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी पंजाब

धर्मशाला (एजेंसी)। पंजाब किंग्स की टीम सोमवार को धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स पर जीत के इरादे से उतरेगी। पंजाब किंग्स की टीम लगातार तीन हार के बाद अंकतालिका में तीसरे स्थान पर फिसल गयी है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में सत्र की शुरुआत से ही बेहतर प्रदर्शन कर रही पंजाब का प्रदर्शन पिछले कुछ मुकाबलों में गिरा है। ऐसे में उसे जीत के लिए अपने क्षेत्ररक्षण को भी बेहतर करना होगा। हैदराबाद के खिलाफ पिछले मैच में टीम ने काफी कैच छोड़े थे जिससे उसके हाथ से मैच निकल गया था। इसके अलावा उसके गेंदबाज भी पिछले मैच में असफल रहे थे। उसे अब ये कमी भी दूर करनी होगी। पंजाब की बल्लेबाजी प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह के अलावा श्रेयस पर भी निर्भर करेगी। गेंदबाजी में उसके पास तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के अलावा स्पिनर यजुवेन्द्र चहल भी हैं। पंजाब के अभी 13 अंक हैं और उसे प्लेऑफ में पहुंचने दो जीत चाहिये। ऐसे में टीम का लक्ष्य इस मैच में जीत के साथ ही लय हासिल करना रहेगा। वहीं दूसरी ओर दिल्ली कैपिटल्स की टीम 8 अंक लेकर आठवें स्थान पर है और उसकी प्लेऑफ की उम्मीदें तकरीबन समाप्त हो गयी हैं पर वह

पंजाब का खेल जरुर बिगाड़ सकती है।

अक्षर पटेल की कप्तानी में कैपिटल्स का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है। टीम अपने पिछले छह मुकाबलों में से पांच हारी है और अंक तालिका में आठवे नंबर पर है। टीम के बल्लेबाज ओर गेंदबाज उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। बल्लेबाजी में केवल केएल राहुल ही रन बना पाये हैं। गेंदबाजी में उसके पास मिचेल स्टार्क और टी नटराजन भी हैं। स्टार्क भी वापसी के बाद से ही प्रभावित नहीं कर पाये हैं जिससे भी टीम का प्रदर्शन खराब हुआ है। अब तक दोनो टीमों के बीच 36 मैच हुए हैं जिसमें से पंजाब ने 18 जबकि दिल्ली ने 17 जीते हैं।

पंजाब किंग्स संभावित टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, निहाल वढेरा, अजमतुल्लह उमरजई, मार्को यानसेन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्युसन, हरप्रीत बरार, विजयकुमार वैशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, प्रवीण दुबे, पायला अविनाश और विशाल निषाद।

दिल्ली कैपिटल्स संभावित टीम

अक्षर पटेल (कप्तान), अभिषेक पोरेल, लोकेश राहुल, नितीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, दुष्मंता चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, आकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, पृथ्वी शॉ, काइल जेमिसन, अजय जाधव मंडल, माधव तिवारी, साहिल पारख, करुण नायर और टी नटराजन।

चहल को ई-सिगरेट सेवन के लिए होनी चाहिये जेल : शिवरामकृष्णन

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय स्पिनर लक्ष्मण शिवरामकृष्णन ने पंजाब किंग्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल के उड़ान के दौरान ई सिगरेट (वेप) का सेवन करने को लेकर कड़ी फटकार लगायी है। शिवरामकृष्णन के अनुसार इस प्रकार के गलत काम के लिए चहल पर जुर्माना ही काफी नहीं होगा। उन्हें जेल भी भेजा जाना चाहिये। शिवरामकृष्णन ने इस मामले को लेकर चहल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की भी मांग की है। चहल पर हैदराबाद की फ्लाइट में वेप सेवन का आरोप है। इसका एक वीडियो भी तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने जारी किया था। चहल आईपीएल 2026 के दौरान वेप का सेवन करने के मामले में फंसे दूसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग भी पंजाब किंग्स के ड्रेसिंग रूम में वेप का सेवन करते पकड़े गये थे। इस कारण उनपर मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगा था पर शिवरामकृष्णन का मानना है कि चहल का मामला अलग है उन्होंने लोगों की सुरक्षा को खतरे में डाला है उन्हें इसके लिए जेल भेजा जाए। शिवरामकृष्णन ने सोशल मीडिया में लिखा, ''भारत में वेप पर प्रतिबंध है। उन्हें जेल में होना चाहिए। कानून बनाकर अगर उन्हें लागू नहीं किया जाए तो उसका क्या लाभ। मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना तो बहुत कम है। साथ ही सवाल किया कि अगर कोई आम आदमी ऐसा करता तो उसके खिलाफ भी क्या यही कार्रवाई होती?' वहीं बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने अपनी सलाह में लिखा, ड्रेसिंग रूम और टूर्नामेंट वेन्यू के अन्य प्रतिबंधित क्षेत्रों में वेपिंग के मामले बीसीसीआई की नजर में आए हैं।

धोनी को खेलते रहना चाहिए, उनके जैसा विकेटकीपर कोई नहीं : माइकल क्लार्क

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने भारतीय क्रिकेट के दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि उम्र बढ़ने के बावजूद उन्हें प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलना जारी रखना चाहिए। क्लार्क का मानना है कि धोनी का खेल पर प्रभाव आज भी बेहद खास है और टी20 क्रिकेट में उनसे बेहतर विकेटकीपर कोई नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि जिस दिन धोनी क्रिकेट से संन्यास लेंगे, उसके बाद शायद वह किसी भी रूप में खेल से जुड़े नजर नहीं आएंगे। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 शुरू होने से पहले महेंद्र सिंह धोनी को पिंडली में खिंचाव की समस्या हो गई थी। इसके बाद चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से जानकारी दी गई थी कि 44 वर्षीय धोनी शुरुआती कुछ मुकाबले ही मिस करेंगे। हालांकि टीम अब तक 10 मैच खेल चुकी है, लेकिन धोनी मैदान पर वापसी नहीं कर पाए हैं। वह लगातार नेट्स में अभ्यास जरूर कर रहे हैं, लेकिन मैचों के दौरान टीम के साथ यात्रा नहीं कर रहे। उनकी गैरमौजूदगी ने प्रशंसकों को निराश किया है, लेकिन माइकल क्लार्क का मानना है कि धोनी और चेन्नई सुपर किंग्स एक-दूसरे से अलग नहीं हो सकते। एक पॉडकास्ट' में बातचीत के दौरान माइकल क्लार्क ने कहा कि महेंद्र सिंह धोनी ही चेन्नई सुपर किंग्स की असली पहचान हैं। उन्होंने कहा कि जब भी चेन्नई का मैच होता है तो स्टेडियम में ज्यादातर दर्शक नंबर 7 वाली पीली जर्सी पहनकर पहुंचते हैं। यहां तक कि टीम के साथ जुड़ने वाले प्रायोजक भी चाहते हैं कि धोनी टीम का हिस्सा बने रहें। क्लार्क ने कहा कि भारत और चेन्नई सुपर किंग्स दोनों के लिए धोनी का महत्व बेहद बड़ा है और उम्र को उनकी क्षमता का पैमाना नहीं माना जाना चाहिए। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा कि कोई भी उन्हें यह समझा नहीं सकता कि वर्तमान समय में टी20 क्रिकेट में धोनी से बेहतर विकेटकीपर मौजूद है। उनके अनुसार धोनी की विकेटकीपिंग कौशल, मैच को पढ़ने की क्षमता और दबाव में शांत रहने का अंदाज उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाता है। उन्होंने प्रशंसकों और क्रिकेट विशेषज्ञों से अपील की कि वे धोनी के संन्यास की मांग करना बंद करें और उन्हें जितना चाहें उतना क्रिकेट खेलने दें।

वैभव सूर्यवंशी टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे वैभव सूर्यवंशी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) लीग में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में अपनी 36 रनों की पारी में तीन छक्के लगाने के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है।अपनी इस पारी के साथ ही वैभव ने टी20 क्रिकेट में एकसाथ कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं।

वैभव अब टी20 क्रिकेट में सबसे तेज और सबसे कम उम्र में 100 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। वैभव ने केवल 29 टी20 पारियों में हासिल की, जो अपने आप में एक बड़ा रिकार्ड है। वैभव ने केवल 514 गेंदों में अपने 100 टी20 छक्के पूरे कर लिए हैं, जो इससे पहले किसी भी बल्लेबाज ने इतनी कम गेंदों में नहीं किया था।

वहीं इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज करणबीर सिंह ने 813 और वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेर कीरोन पोलार्ड ने 843 गेंदों में 100 टी20 छक्के लगाए थे।

वैभव ने पावरप्ले में सबसे अधिक छक्के लगाने का नया रिकॉर्ड भी बनाया है। उन्होंने मौजूदा सीजन में पावरप्ले के भीतर कुल 30 छक्के लगाये हैं, जिससे उन्होंने 2024 सीजन में अभिषेक द्वारा बनाए गए 29 छक्कों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। अभिषेक शर्मा ने 2026 सीजन में भी 27 छक्के लगाए हैं, जबकि सनथ जयसूर्या (2008), ट्रेविस हेड (2024) और यशस्वी जायसवाल (2025) जैसे दिग्गजों ने अपने-अपने सीजन में 22-22 छक्के लगाए थे। अगर देखा जाये तो वैभव ने अबतक के आईपीएल सीजन में 40 छक्के लगाए हैं, जो किसी एक आईपीएल सीजन में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले भारतीयों की सूची में अभिषेक शर्मा (42 छक्के, 2024) के बाद दूसरे स्थान पर है। श्रेयस अय्यर (39 छक्के, 2025), विराट कोहली (38 छक्के, 2016 और 2024) और सूर्यकुमार यादव (38 छक्के, 2025) जैसे नाम भी इस विशिष्ट सूची में शामिल हैं, जो वैभव की उपलब्धियों को और भी खास बनाते हैं।

राशिद आईपीएल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले विदेशी स्पिनर बने

जयपुर । गुजरात टाइटंस के स्पिनर राशिद खान ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल मैच में अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। राशिद ने इस मैच में चार विकेट लेकर राजस्थान रॉयल्स को 152 रनों पर आउट करने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम की है। राशिद अब आईपीएल इतिहास में विदेशी स्पिनर के तौर पर सबसे ज्यादा बार तीन या उससे अधिक विकेट लेने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इसी के साथ ही कोलकाता नाइटराइजर्ड (केकेआर) के अनुभवी स्पिनर सुनील नरेन को भी पीछे छोड़ दिया है। यह ये 18 वीं बार है जब राशिद ने आईपीएल मैच में तीन या उससे ज्यादा विकेट लिए हैं। इस उपलब्धि के साथ ही अब वह अमित मिश्रा और रवींद्र जडेजा जैसे प्रमुख स्पिनरों से आगे निकल गए हैं। अब केवल स्पिनर युजवेंद्र चहल ही उनसे आगे हैं, जिन्होंने 23 बार यह कारनामा किया है। अगर हम तेज गेंदबाजों को भी शामिल कर लें, तो राशिद से अधिक विकेट केवल जसप्रीत बुमराह के नाम 25, भुवनेश्वर कुमार के 21 और लसिथ मलिंगा के नाम 19 विकेट हैं। मैच के बाद अपनी गेंदबाजी पर बात करते हुए राशिद खान ने बताया कि पहली गेंद फेंकते ही उन्हें पिच से मदद मिलने का एहसास हो गया था। उन्होंने कहा, मुझे बस अपनी गेंदों की गति को लगातार बदलते रहना था। मैं सही जगह पर गेंद डालने और स्टंप्स को निशाना बनाने की कोशिश कर रहा था। मुझे लगा कि अगर मैं स्टंप्स से दूर गेंद डालूंगा, तो बल्लेबाज के लिए रन बनाना या चौका मारना आसान हो जाएगा। उन्होंने आगे जोर दिया कि उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण सही लेंथ और लाइन पर ध्यान देना था, ताकि गेंद तीनों स्टंप्स के बीच ही रहे। राशिद ने यह भी खुलासा किया कि उन्होंने फरेरा को आउट करने के बारे में पहले ही सोच लिया था और उनके दिमाग में पूरी योजना तैयार थी। जैसे ही गेंद उनके हाथ से निकली, उन्हें यकीन हो गया था कि विकेट मिलने वाला है।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में दिखेगा नोरा फतेही का जलवा

- अंतरराष्ट्रीय मंच पर बिखेरेंगी भारतीय प्रतिभा की चमक

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड की मशहूर डांसर और ग्लोबल स्टार नोरा फतेही एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन करने जा रही हैं। नोरा अब फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में अपनी शानदार परफॉर्मेंस और सिंगिंग का जलवा बिखेरेंगी। यह भव्य आयोजन कनाडा के टोरंटो शहर में आयोजित किया जाएगा। नोरा का इस प्रतिष्ठित मंच पर शामिल होना भारतीय मनोरंजन जगत के लिए बेहद गर्व की बात माना जा रहा है। दुनियाभर में अपनी डांस परफॉर्मेंस और स्टेज प्रेजेंस के लिए पहचान बना चुकीं नोरा अब वैश्विक स्तर पर एक बार फिर भारतीय कला और संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती नजर आएंगी।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी 12 जून को टोरंटो के प्रसिद्ध बीएमओ फील्ड स्टेडियम में आयोजित होगी। इस खास कार्यक्रम में नोरा फतेही के साथ कई बड़े अंतरराष्ट्रीय कलाकार भी मंच साझा करेंगे। इनमें माइकल बुबले, एलानिस मॉरिसेट, एलेसिया कारा, एलियाना, जेसी रेयेज, संजॉय, वेगेड्रीम और विलियम प्रिंस जैसे लोकप्रिय नाम शामिल हैं। वहीं अमेरिका में आयोजित होने वाली दूसरी ओपनिंग सेरेमनी में अनीता, फ्यूचर, कैटी पेरी, लिसा, रेमा और टायला जैसे ग्लोबल सुपरस्टार्स अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इस तरह फीफा वर्ल्ड कप 2026 सिर्फ फुटबॉल का महाकुंभ नहीं बल्कि संगीत, संस्कृति और मनोरंजन का भी विशाल उत्सव बनने जा रहा है।

फीफा की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, कनाडा में होने वाली ओपनिंग सेरेमनी के जरिए देश की संस्कृति, विविधता और परंपराओं को दुनिया के सामने पेश किया जाएगा। समारोह में कनाडा की खूबसूरत लोकेशनों और सांस्कृतिक विरासत को विशेष प्रस्तुति के माध्यम से दिखाया जाएगा। आयोजकों के मुताबिक यह कार्यक्रम एकता, उत्साह और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक होगा। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा कि टोरंटो में होने वाली यह ओपनिंग सेरेमनी कनाडा की पहचान और फुटबॉल के प्रति वहां के लोगों के उत्साह को दुनिया के सामने पेश करेगी।

इटेलियन ओपन में सबालेंका और पाओलिनी की सनसनीखेज हार

रोम । इटेलियन ओपन में कई चौंकाने वाले नतीजे देखने को मिले, जिसमें महिलाओं की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी आर्यना सबालेंका और गत चैंपियन जैस्मीन पाओलिनी दोनों बाहर हो गईं। दिन का सबसे बड़ा झटका महिलाओं के सिंगल्स के

राउंड ऑफ़ 32 में लगा, जहां दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी सबालेंका ने एक सेट की बढ़त गंवा दी और रोमानिया की सोराना सिस्टिर्या से 2-6, 6-3, 7-5 से हार गईं। सिस्टिर्या ने बेसलाइन से सबालेंका के साथ जोरदार मुकाबला किया और नेट की ओर आक्रामक रुख अपनाकर बेलारूस की इस खिलाड़ी को बार-बार परेशान किया, जिससे उन्हें दूसरे सेट के आठवें गेम में एक महत्वपूर्ण' ब्रेक 'हासिल हुआ। सबालेंका को सिस्टिर्या के खेल की विविधता का सामना करने में मुश्किल हुई और उन्होंने लगातार' अनफोर्स्ड एरर' (बिना दबाव के की गई गलतियां) करना शुरू कर दिया। निर्णायक सेट के पांचवें गेम में सिस्टिर्या ने अपने चौथे 'ब्रेक पॉइंट' के मौके को भुनाते हुए एक और 'ब्रेक' हासिल किया और फिर अपनी सर्विस के साथ मैच जीत लिया; यह किसी शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के खिलाफ उनके करियर की पहली जीत थी। जीत के बाद सिस्टिर्या ने कहा, 'शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ आप सिर्फ सुरक्षित खेल नहीं खेल सकते। वे आपको जीत थाली में परोसकर नहीं देंगी। आपको जीत खुद हासिल करनी पड़ती है।'

भारतीय महिला टीम ने तीरंदाजी विश्व कप में चीन को हराकर स्वर्ण जीता

शंघाई (एजेंसी)। दीपिका कुमारी, अंकिता भकत और युवा कुमकुम मोहोद वाली भारतीय महिला रिकर्व टीम ने यहां हुए तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में चीन को हराकर स्वर्ण पदक जीता है। दीपिका, अंकिता और कुमकुम ने मेजबान चीनी खिलाड़ियों को फाइनल शूट-ऑफ मुकाबले में 5-4 (28-26) से हराया। इसी के साथ ही भारतीय महिला रिकर्व टीम ने साल 2021 के बाद विश्व कप में पहला स्वर्ण पदक जीता है।

भारतीय टीम ने पहले सेट में 54-53 के अंतर से जीत हासिल की। इसके बाद चीनी टीम ने जबरदस्त वापसी करते हुए अगले दो सेट (55-52 और 57-56) जीते और 4-2 की बढ़त बना ली, जिससे भारतीय खेमे पर दबाव बढ़ गया। भारतीय टीम ने चौथे सेट में मुकाबला 4-4 से बराबर कर दिया, जिससे जीत का फैसला शूट-ऑफ पर आ टिका।

निर्णायक शूट-ऑफ में, भारतीय तीरंदाजों ने जबरदस्त खेल दिखाया। अंकिता भकत ने सटीक नौ अंक हासिल किये। इसके बाद कुमकुम मोहोद ने दबाव के बीच सीधा 10 का स्कोर किया। जीत के लिए भारत को केवल आठ अंक की आवश्यकता थी, और अनुभवी दीपिका कुमारी ने नौ अंक हासिल कर भारतीय टीम को जीत दिला दी। इससे आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए भी टीम का मनोबल बढ़ा है।

भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में 10 बार की ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया और फिर, चीन को उसके घरेलू मैदान पर हराया था। ये जीत इसलिए भी अहम है क्योंकि टीम बिना किसी राष्ट्रीय कोच के खेल रही थी। शंघाई विश्व कप में भारत के लिए यह दूसरा पदक है। इससे पहले, कंपाउंड तीरंदाज साहिल जाधव ने कांस्य पदक जीतकर देश का खाता खोला था।

क्या है आपका स्टाइल मंतरा ?

थोड़ा क्रिएटिव, थोड़ा यूनिक जो भी हो, आपका अपना अंदाज आपको भीड़ में अलग खड़ा करता है। हाँ जरूरत है तो इस बात की कि अपने स्टाइल को लेकर आप अति उत्साह में न आएँ।

अक्सर ऐसा होता है कि ढेर सारे लोगों के बीच किसी एक व्यक्ति पर सबकी निगाहें टिकी रहती हैं। यह कतई जरूरी नहीं होता कि उस व्यक्ति ने बहुत महँगे कपड़े पहने हों या फिर वह बहुत सुंदर हो लेकिन उसका खुद को प्रस्तुत करने का तरीका ही कुछ ऐसा होता है कि लोग प्रभावित हो जाते हैं। तो वो कौन सा कारक है जो आपके व्यक्तित्व को सबसे ज्यादा आकर्षक बनाता है? क्या केवल फैशनेबल कपड़े पहन लेने भर से आपमें 'वो' बात आ सकती है? क्या आपके पास है अपना एक यूनिक स्टाइल मंतरा जो आपको दूसरों से अलग करता है? आइए युवाओं से ही जानते हैं।

'मैं हमेशा ऊपरी चमक-दमक की बजाय इस बात पर ध्यान देता हूँ कि मैं लोगों के साथ किस तरह का व्यवहार करता हूँ। मेरे खयाल से यही वह मुख्य बात है जो लोगों को आपकी तरफ आकर्षित करती है।' यह कहते हैं बीई तृतीय वर्ष के छात्र नचिकेत अग्रवाल। नचिकेत के अनुसार आप लोगों से जिस तरह से पेश आते हैं वह आपके व्यक्तित्व का एक प्रमुख हिस्सा होता है। यदि आप बदतमीज और रूखे किस्म के इंसान हैं तो चाहे कितने भी हैंडसम क्यों न हों, कोई भी आपको पसंद नहीं करेगा। वे कहते हैं कि अपने नए शर्ट और नई हेयर स्टाइल की तारीफ के बजाय मैं अपने व्यवहार की तारीफ सुनकर ज्यादा अच्छा महसूस करता हूँ। इससे मुझे खुशी के साथ संतोष भी मिलता है। यही मेरा स्टाइल मंतरा है जो मुझे दूसरों से अलग बनाता है।

एमए उत्तरार्ध की छात्रा सोनालिका टंडन के अनुसार- 'वैसे तो मेरे लंबे बाल अक्सर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लेते हैं। कॉलेज में मुझे मिस ब्यूटीफुल हेयर का पुरस्कार भी मिल चुका है लेकिन मुझे लगता है मेरा ड्रेसिंग सेंस ही मेरा स्टाइल मंतरा है। मुझे ड्रेस डिजायनिंग का शौक है और मैं हमेशा लेटेस्ट फैशन से लेकर नए ट्रेंड्स तक के बारे में पढ़ती और जानकारी बँटोरती रहती हूँ। इसलिए कॉलेज में भी मेरी ड्रेस हमेशा दूसरों से कुछ हटकर होती है। यही नहीं इस बार फेयरवेल पार्टी के लिए मैंने खुद का डिजायन किया इवनिंग गाऊन पहना था, उसको सबने बहुत पसंद किया और मुझे वैसे ही तीन और गाऊन बनाने के ऑर्डर भी मिले। मुझे खुशी मिलती है जब कोई मेरे इस क्रिएटिव काम की तारीफ करता है।'

बादाम हलवा

सामग्री : किसे हुए 4 सेब, 250 ग्राम खोया, तीन चौथाई कप शक्कर, मिल्क पावडर 1 कप, दालचीनी 1 चम्मच, 4 इलायची, एक चौथाई कप घी, बादाम 1 कप।

विधि : घी को गरम करें उसमें किसा हुआ सेब डालें और मध्यम आँच पर पकाएँ। जब वह सूखने लगे तो शक्कर मिलाएँ। कुछ देर तक हिलाएँ। बादाम को गरम पानी में गलाकर उसका पेस्ट बना लें।

अब इसे सेब के मिश्रण में मिलाएँ और पकाएँ। अब इसमें मिल्क पावडर और खोया मिलाएँ और अच्छी तरह हिलाएँ जैसे आप अन्य हलवे बनाते समय करते हैं।

अब गैस बंद कर दें और इसमें इलायची का पावडर डालकर सर्व करें।

ऑफिस जाती 'मम्मी' और समझदार होते बच्चे

गृहस्थी की गाड़ी सुचारु रूप से चल सके, बच्चे आर्थिक तंगी महसूस किए बिना ऊँची से ऊँची शिक्षा प्राप्त कर अपना भविष्य उज्ज्वल बना सकें, इस कारण से भी महिलाएँ घर से बाहर कदम रखती हैं। लेकिन इसके साथ ही एक अपराधबोध भी उन्हें कचोटता रहता है कि कहीं वे अपने बच्चों को सारा दिन घर पर अकेला छोड़कर उनके साथ अन्याय तो नहीं कर रही हैं? उनके भविष्य को सँवारने के सपने देखते-देखते कहीं उनसे दूर तो नहीं होती जा रही हैं।

इन सब प्रश्नों का कामकाजी माँ के मन में उठना स्वाभाविक भी है, क्योंकि बच्चे जितने माँ से जुड़े होते हैं उतने पिता से नहीं। अक्सर बच्चे पिता का ऑफिस जाना तो पसंद करते हैं पर माँ का नहीं। इस बात पर बच्चे कुछ इस तरह की प्रतिक्रियाएँ देते हैं। चार वर्षीय प्रीति की मम्मी किसी प्रायवेट ऑफिस में कार्य करती हैं। प्रीति कहती है- 'अच्छा हो कि मम्मी कभी ऑफिस नहीं जाए।' अगर उससे कहा जाए कि-मम्मी ऑफिस जाती है तभी तो टॉफी लाती है तो वह कहती है-'मुझे टॉफी नहीं चाहिए।'

वहीं 8 वर्षीय पवन कहता है-'अच्छा है मम्मी ऑफिस जाती है। मम्मी घर पर होती है तो टीवी नहीं देखने देती, खेलने नहीं देती, बस दिनभर पढ़ो-पढ़ो। उनकी थोड़ी बहुत याद आती है जब कुछ खाने का मन करता है। वैसे मैंने सेंडविच और मेगी बनाना सीख लिया है।' कई बच्चे माँ के कामकाजी होने को उम्र के साथ समझने भी लगते हैं। 10 वर्षीय शरारती, पर समझदार नुपुर कहती हैं 'मेरी मम्मी घर बहुत अच्छे से संभालती है। उतना ही अच्छे से ऑफिस का काम भी देखती है पर उसके साथ ही मेरी मम्मी लेखिका भी है। जब उनका आलेख प्रकाशित होता है और टीचर क्लास में यह बात कहती हैं तो बहुत अच्छा लगता है। उनकी मुझसे भी अपेक्षा बढ़ जाती है। इसीलिए मैं अच्छा पढ़कर हमेशा फर्स्ट आती हूँ। 10 साल की राखी से जब यही सवाल पूछा जाए तो वह कहती है- 'मुझे मम्मी का ऑफिस जाना पसंद भी है और नहीं भी। कभी जब हमारी छुट्टी होती है। मम्मी तैयार होकर हमें अकेला छोड़कर ऑफिस चली जाती है, तब हम बहुत बोर होते हैं, पर मैं यह भी अब सोचने लगी हूँ कि मम्मी ऑफिस नहीं जाती तो हम इतने अच्छे स्कूलों में कैसे पढ़ते? मुझे मेरी मम्मी बहुत अच्छी लगती है। थककर आती है फिर भी जो हम चाहते हैं वह खाना बनाती है और होमवर्क में भी मदद करती हैं।'

9वीं कक्षा में पढ़ने वाले अन्वित की मम्मी एक बैंक में मैनेजर हैं। अन्वित कहता है-'मम्मी के कारण ही हम सेल्फ-डिपेन्डेट' बने हैं। अब मुझे छोटी-छोटी जरूरतों के लिए मम्मी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है। हाँ, मुझे नौकरों के हाथ का खाना पसंद नहीं है, लेकिन जब मम्मी की छुट्टी होती है तब तो हर तरह के खाने की फरमाइश पूरी करती हैं। उनकी प्रेरणा के कारण ही मैं विद्यालय का सर्वश्रेष्ठ छात्र हूँ।'

'मम्मी घर पर रहती है तो दिनभर डाँटती है, ऑफिस जाती है तो आराम रहता है। बोर होने का तो समय ही नहीं है। 2 बजे स्कूल से लौटता हूँ, खाना खाता हूँ, होमवर्क करता हूँ और मम्मी के आने का समय यानी डाँट खाने का समय होता' कहता है ऋषभ।

अच्छा या बुरा लगने के अलावा परिपक्व होते बच्चों में शायद यह समझ भी आने लगती है कि माँ का काम पर जाना क्यों जरूरी है। लिहाजा वे सामंजस्य बैठाने में सक्षम होने लगते हैं।

13 वर्षीय नीति अपनी मम्मी का नौकरी करना पसंद करती है, वह कहती है-'हमें ढेर-सी सुविधा मिली है मम्मी-पापा दोनों के नौकरी करने के कारण। खास परेशानी कभी नहीं होती, पर दोपहर का खाना खुद गरम करना पड़ता है। मुझे अकेले रहने की आदत होनी चाहिए। यह क्या कि दिनभर मम्मी से चिपके रहो। पिछले वर्ष हमारी वार्षिक परीक्षा थी। मम्मी-पापा दोनों को किसी काम से बाहर जाना था, तब हम दोनों बहनों ने अकेले ही पढ़ाई की और परीक्षा ही नहीं दी बल्कि अपनी-अपनी कक्षा में प्रथम भी आए। वहीं बीई फर्स्ट ईयर की रति को मम्मी का घर में रहना ज्यादा पसंद है। उसके अनुसार- 'मुझे मम्मी के आगे-पीछे घूमना बहुत अच्छा लगता है। मुझे बहुत खराब लगता है दोपहर का खाना खुद गर्म करके खाना। मैं मम्मी का सब काम करने के लिए तैयार हूँ, पर खाना मेरा मम्मी ही सर्व करे ये चाहती हूँ। यदि कोई भी आकर दोपहर में कॉलबेल बजा देता है तो मैं असुरक्षित महसूस करती हूँ। 17 वर्षीय सपना कहती हैं- 'मेरी मम्मी बुटिक चलाती है। जब कभी मैं वहाँ जाती हूँ तो देखती हूँ कि मम्मी कितने धैर्य और आत्मविश्वास से लोगों से बात करती है। उनकी इस कुशलता पर मैं वाकई मुग्ध हूँ। मेरी मम्मी की घर-बाहर की सफलता तथा बदलते फैशन के उनके नॉलेज को अपडेट देखकर लगता है मैं भी इसी तरह का व्यवसाय चुनूँगी। मम्मी ने मुझे आत्मविश्वास से भरपूर बनाया है। घर-बाहर के काम बेहिचक पूरे कर लेती हूँ। मेरी मम्मी मेरा आदर्श है।'

असल में माँ की जगह दुनिया में कोई नहीं ले सकता। बच्चे माँ के साथ खुद को सहज और सुरक्षित महसूस करते हैं। बदलते समय के साथ कामकाजी महिलाओं का प्रतिशत भी बढ़ रहा है। यह काफी हद तक एक अनिवार्यता भी है और कुछ समय बाद बच्चे भी इसे समझने लगते हैं।

कामकाजी महिलाओं पर दो तरफा जिम्मेदारी रहती है। खासतौर पर बच्चों के मामले में। अगर उन्हें दफ्तर में भी बच्चों की चिंता सताती है तो बच्चे भी उनकी दूरी को दिल से महसूस करते हैं। आज बदलते समय तथा माहौल को देखते हुए हालाँकि बच्चे पहले से ज्यादा परिपक्व होने लगे हैं तथा सामंजस्य भी बैठाने लगे हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-7-8-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-2-7-9

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा

कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। शुभांक-3-7-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-3-6-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक-2-7-8

धनु — ये यो भा भी भू

आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक:

रिजवान सैफ खान

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी

उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3885

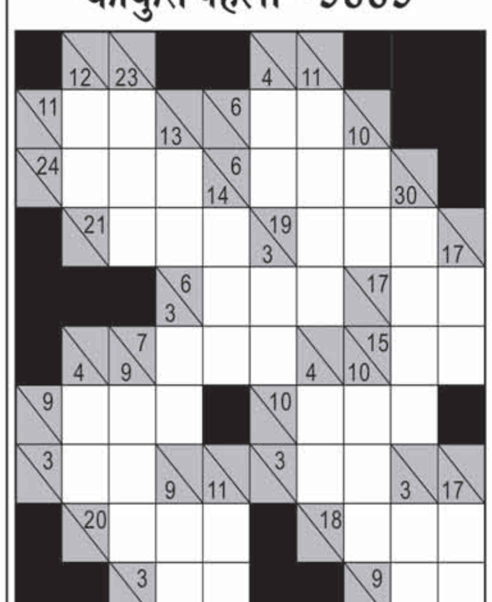

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

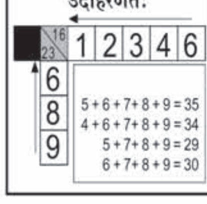

काकुरो - 3884 का हल

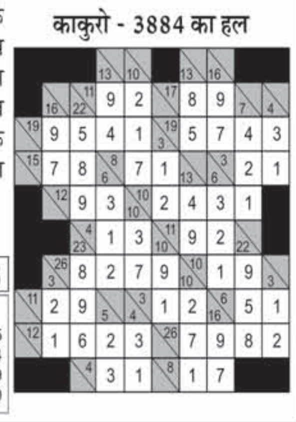

लॉफिंग ज़ोन

रमन अपने दोस्त नरेश से बोला- क्या बात है, आजकल तुम्हारी प्रेमिका अक्सर चुप-चुप ही रहती है? तुमने उसे डाँटा क्या?

नरेश- नहीं यार! मेरी क्या मजाल है जो मैं उस डाँट सकूँ। दरअसल हुआ यूँ कि एक दिन हम दोनों फोटो खिंचवा रहे थे, तो फोटोग्राफर ने मेरी प्रेमिका से कहा 'जब आप चुप रहती हैं, तो एकदम कैटरीना की तरह दिखती है।'

□ □ □

एक भीड़ भरी खचाखच बस में एक युवती को जोर से धक्का लगा। युवती झल्लाई और पीछे खड़े युवक को चिल्ला कर बोली, जान वर हो क्या?

युवक ने रोमांटिक अंदाज में जवाब दिया- जान तो आप हैं, मैं तो बस आपका ही वर हूँ।

□ □ □

एक बार स्वीमिंग पुल के किनारे कपड़े रखे थे और वहाँ एक कागज का पुर्जा पड़ा था, जिस पर लिखा था- मेरे कपड़े मत चुराना- बॉक्सिंग चैंपियन रमन।

जब वह तैर कर बाहर निकला, तो देखा वहाँ से उसके कपड़े गायब थे और एक पुर्जा पड़ा था, जिस पर लिखा था- मुझे पकड़ने की कोशिश मत करना- मैराथन चैंपियन चमन।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3885

बायें से दायें:-

१. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-३
४. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-४
७. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-३
१०. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
१२. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-४
१५. नाना, शाहरूख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-३
१७. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-२
१८. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
१९. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-२
२१. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्रिहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-२
२४. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२६. संजीवकुमार, शर्मिला की १९७४ की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-४
२९. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
३०. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-३
३. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-४
५. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-३
६. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
९. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-२
११. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-४
१२. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-४
१३. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत नें दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१६. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
१९. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-३
२०. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-३
२२. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-४
२३. 'आँखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-२
२८. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3884

सूडोकु -3885

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3884 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

शब्द पहेली -3885

बाएँ से दाएँ

1.महीन व कीमती कपड़ा-4
3.गिरवी रखी वस्तु-3
5.चहा,पेय पदार्थ-2
6.ऐयार,गुप्तचर-3
7.संध्या,सांझ-2
9.रसद,किराणा सामग्री-3
11.करामात,करतब-5
14.विक्रय स्थल-3
16.कलाकार-4
17.चाहत,लगन-2
18.सद्,अच्छा-2
19.लंबा कोट-4
23.पानी की बूंद-3
24.कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
27.लोभ,लालसा-3
28.दौड़ना(अंग्रेजी-2)
30.रेखा,लाइन-3
31.अकुवा,आकड़ा-2
32.अव्यवस्थित भीड़-3
33.अचानक,सहसा-4

ऊपर से नीचे

1.शराब-2
2.सम्राट,शहंशाह-4
3.सांभर जैसा खाद्य-3
4.सरुर, मद-2
5.चापलूस-4
6.प्राण, जीवन तत्व-2
8.चिंतन-3
10.भद्र, कुलीन-3
12.अपराध-3
13.पिता का भाई-2
15.यात्री दल-3
17.प्रेम लगन-3
18.भ्रमर,जलावर्त-3
20.चमड़ी,त्वचा-2
21.अनुकृति-3
22.आर्द्रक-4
23.कटि,मध्यांग-3
25.हठ करना, जिद करना,रोना-4
26.साजन,सनम-3
27.थूक,लेस-2
29.भीगा हुआ-2
31.उम्मीद,आशा-2

शब्द पहेली -3884 का हल

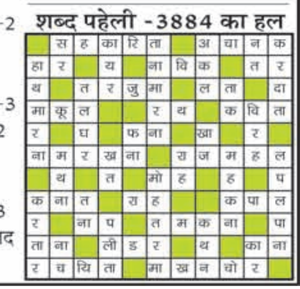

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी